श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 22 वर्ष, अंक 189, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 7 अगस्त 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

508 रेलवे स्टेशनों का होगा 'कायाकल्प'

पीएम ने अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना लॉन्च की:देश के 1309 स्टेशनों को री-डेवलप किया जाएगा, पहले फेज में 508 स्टेशन शामिल

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना को वर्चुअली लॉन्च किया। इसके तहत देशभर के 1309 रेलवे स्टेशनों को री-डेवलप किया जाएगा। पहले फेज में 508 स्टेशनों को शामिल किया गया है। ये 508 स्टेशन देश के 27 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में हैं। पहले चरण में उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, मध्य प्रदेश में 34, पश्चिम बंगाल में 37, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22 और गुजरात-तेलंगाना में 21-21 स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। इसके अलावा झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश-तमिलनाडु में 18-18 स्टेशन, हरियाणा में 15 और कर्नाटक में 13 स्टेशनों को री-डेवलप किया जाएगा। इसमें कुल 24,470 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

विपक्ष न काम करता है, न करने देता है: कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा- हमारे देश में विपक्ष का एक धड़ा न काम करता है, न काम करने देता है। हमने संसद की नई बिल्डिंग बनाई, कर्तव्य पथ बनाया और नेशनल वॉर मेमोरियल बनाया तो हर बार विपक्ष ने इसका विरोध किया। हमने दुनिया की सबसे ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई। कुछ पार्टियां चुनाव के समय तो सरदार पटेल को याद करती हैं, लेकिन उनके कोई भी बड़े नेता सरदार पटेल की प्रतिमा को नमन करने नहीं गए।

पीएम का दावा- सालभर में ऑस्ट्रेलिया के टोटल रेल नेटवर्क से ज्यादा ट्रैक बिछाया पीएम ने दावा किया कि साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में जितना टोटल रेलवे ट्रैक है, उससे अधिक रेलवे ट्रैक भारत में पिछले एक साल में बिछाया गया है।

वहीं, दक्षिण अफ्रीफा, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है, उससे ज्यादा रेल ट्रैक हमारे देश में पिछले 9 सालों में बिछाया गया है। इस योजना के तहत मध्य प्रदेश के रानी कमलापति को अपग्रेड किया जा चुका है। इस स्टेशन का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया था।

अगले 30 सालों को ध्यान में रखकर किया जाएगा री-डेवलपमेंट: नॉर्थ रेलवे के जनरल मैनेजर शोभन चौधरी ने बताया कि अगले 30 सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर स्टेशनों को री-डेवलेप किया जाएगा। रेलवे स्टेशनों को सिटी सेंटर के रूप में डेवलप किया

उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा 156 स्टेशन योजना में शामिल

योजना के तहत डेवलप किए जाने वाले कुल 1309 स्टेशनों में उत्तर प्रदेश के 156, मध्य प्रदेश के 80, हरियाणा के 40, आंध्र प्रदेश के 72, असम के 50, बिहार के 92, छत्तीसगढ़ के 32, दिल्ली के 13, गुजरात के 87 और झारखंड के 57 स्टेशन शामिल किए गए हैं। इसके अलावा कर्नाटक के 56, केरल के 35, महाराष्ट्र के 126, ओडिशा के 57, पंजाब के 30, राजस्थान के 83, तमिलनाडु के 75, तेलंगाना के 40, जम्मू-कश्मीर के 4, उत्तराखंड के 11 और बंगाल से 98 स्टेशन शामिल हैं।

यूपी के 55 स्टेशनों का होगा कायाकल्प, सीएम योगी ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अमृत भारत स्टेशन स्कीम के शुभारंभ से वर्चुअली जुड़े। नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास व आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी है।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समाज में भी बदलाव जरूरी: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि यह हमें ऐसा वातावरण बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का प्रयास करना चाहिए, जहां हमारे युवा आत्मविश्वास और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए मूल्यवान और सशक्त महसूस करें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज मद्रास विश्वविद्यालय के 165वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को ऐसे वातावरण का सृजन करना चाहिए जो पारस्परिक संचार को प्रोत्साहन दे, जहां छात्र निर्णय से डरे बिना अपने डर, चिंताओं और संघर्षों पर चर्चा करने में सहज महसूस करें। राष्ट्रपति ने कहा कि आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के समय में शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दबाव, अच्छे संस्थानों में प्रवेश न पाने का डर, प्रतिष्ठित नौकरी न मिलने की

चिंता और माता-पिता एवं समाज की अपेक्षाओं का दबाव हमारे युवाओं में तीव्र मानसिक तनाव पैदा कर रहा है उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम इस विषय को संबोधित करने के लिए एक समाज के रूप में एक साथ आएं और एक ऐसा वातावरण बनाएं जो हमारे छात्रों के समग्र विकास और कल्याण को बढ़ावा दे। उन्होंने छात्रों से भी आग्रह किया कि वे कभी भी किसी भी चिंता को अपने ऊपर हावी न होने दें। उन्होंने उन्हें अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने और आगे बढ़ते रहने की सलाह दी। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 1857 में स्थापित, मद्रास विश्वविद्यालय को भारत के सबसे पुराने आधुनिक विश्वविद्यालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त है। इस विश्वविद्यालय ने ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 165 से अधिक वर्षों की अपनी यात्रा के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय ने शिक्षण के उच्च मानकों का पालन किया है, एक ऐसा वातावरण प्रदान किया है जो बौद्धिक जिज्ञासा और महत्वपूर्ण सोच का पोषण करता है।

यह अनगिनत विद्वानों, नेताओं और दूरदर्शी व्यक्तिव के सृजन का एक उद्गम स्थल रहा है, इसने एक प्रकाश स्तम्भ के रूप में भी कार्य किया है, जो भारत के दक्षिणी क्षेत्र में कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की स्थापना और विकास में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

उप्र विधानसभा: सीएम योगी ने की सर्वदलीय बैठक

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। सत्र से एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विधानसभा में सर्वदलीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने के लिए सहयोग की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनसमस्याओं का समाधान होता है। उन्होंने कहा कि सात अगस्त से शुरू हो रहे मानसून सत्र का आयोजन संसदीय मयादाओं के अनुरूप होना

चाहिए। सदन एक सार्थक चर्चा का माध्यम होता है। बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सदस्य सदन में केवल हाजिरी न लगाएं, बल्कि सदन में उपस्थित भी रहें, जिससे प्रदेश का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि सदन में जनहित में सामूहिक चर्चा करनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सदन चलने पर ही सभी समस्याओं का निदान होता है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद, समाजवादी पार्टी के मनोज कुमार पांडेय, कांग्रेस की आराधना मिश्रा और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के रघुराज प्रताप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

हिंदी का गुलाम नहीं बनेंगे: एमके स्टालिन

चेन्नई: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि हम हिंदी का गुलाम नहीं बनेंगे। गृह मंत्री शाह ने हिंदी को स्वीकार करने पर बयान दिया था, जिसपर सीएम स्टालिन का यह बयान आया है और उन्होंने शाह के बयान की निंदा की है। बता दें कि शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में आधिकारिक भाषा पर संसद की समिति की 38वीं बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक के दौरान शाह ने कहा कि हिंदी को बिना विरोध के स्वीकार किया जाना चाहिए, भले ही स्वीकृति की गति धीमी हो। इसके साथ ही गृह मंत्री शाह ने कहा कि हिंदी का अन्य भाषाओं से प्रतिस्पर्धा में नहीं है और सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने से ही देश सशक्त होगा।

सीएम स्टालिन ने जताई आपत्ति: मैं हिंदी स्वीकृति के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की कड़ी निंदा करता हूं। यह गैर-हिंदी भाषियों को अपने अधीन करने का एक प्रयास है।

तमिलनाडु किसी भी प्रकार के हिंदी आधिपत्य और थोपने को अस्वीकार करता है। हमारी भाषा और विरासत हमें परिभाषित करती है, हम हिंदी के गुलाम नहीं होंगे।'

स्टालिन ने 'हिंदी थोपने' का किया विरोध: सीएम स्टालिन ने गृह मंत्री शाह से कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हिंदी को थोपे जाने के विरोध पर ध्यान दिलाया।

नूंह: 8 अगस्त तक बढ़ाई गई इंटरनेट सेवा पर रोक

कर्फ्यू में मिली 3 घंटे की छूट

नूंह/गुरुग्राम: हरियाणा के नूंह में बीते सोमवार यानी 31 जुलाई को हुई हिंसक झड़प को लेकर मोबाइल इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध 8 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के नूंह जिले में वॉयस कॉल को छोड़कर मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, बल्क रटर और सभी डोंगल सेवाओं आदि का निलंबन 8 अगस्त 2023 तक बढ़ा दिया गया है।

जावेद अहमद के पक्ष में खड़ी हुई आम आदमी पार्टी: आप नेता जावेद अहमद पर झूठा मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाते हुए

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि भाजपा मणिपुर की तर्ज पर हरियाणा को भी हिंसा की आग में धकेल देना चाहती है। भाजपा का मतलब भारत जलाओ पार्टी है। प्रदेश सरकार नूंह दंगों में अपनी कमियां छिपाकर निर्दोष लोगों को फंसाकर उनकी छवि खराब करना चाहती है।

नूंह हिंसा को लेकर गरमाई राजनीति: गुरुग्राम में सरपंच एसोसिएशन का मानना है कि नूंह हिंसा के लिए सीधे तौर पर फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान जिम्मेदार हैं। उन्हें तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाए। एसोसिएशन ने अपनी मांग को लेकर ज्ञापन हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, पुलिस महानिदेशक को भेजा है।

वहीं जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी जमीयत उलमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधि प्रतिनिधिमंडल ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसका विश्लेषण करने के लिए नूंह, मेवात और आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया गया है। दंगा प्रभावित क्षेत्रों का हाल बहुत ही हृदय विदारक है और यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि दंगा सुनियोजित था।

मणिपुर: सुरक्षा बल पहाड़ी और घाटी इलाकों में लगातार कर रही छापेमारी

इंफाल: मणिपुर में हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। 3 अगस्त को हुई घटना में सुरक्षा बलों ने 15 हथियार बरामद किया हैं। मणिपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि इंफाल-पश्चिम जिले के लिलोंग चाजिंग में तौपोकपी पुलिस चौकी पर 5 अगस्त को एक पुलिस टीम से हथियार छीनने की कोशिश की गई। हालांकि, पुलिस सतर्क हो गई और वे पीछा कर सभी चार हथियार बरामद कर सके। एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और बदमाशों द्वारा इस्तेमाल की गई कार भी बरामद की गई है।

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए हो रही छापेमारी: अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। 5 अगस्त की शाम को गांव ए मुंगचमकोम में आतंकवादियों के साथ 5/9 जीआर और 21 एसएफ की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी में गैर-एसओओ संगठन के कैडर को गिरफ्तार किया गया। बलों को कब्जे से एक एसएलआर, एक मैगजीन और 50 राउंड जब्त किए है।

'राहुल गांधी से सरकार डर गई है': संजय

नई दिल्ली: शिवसेना (उद्धव) नेता संजय राउत ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल करने में हो रही देरी पर सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत ने लोकसभा अध्यक्ष पर भी तंज कसा और कहा कि क्या वह इसके लिए पीएचडी कर रहे हैं? बता दें कि मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी है। इसके बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हो गया है।

संजय राउत का तंज: संजय राउत ने कहा कि 'राहुल गांधी से सरकार डर गई है। सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को जो दो साल की सजा दी

तो 24 घंटे में लोकसभा अध्यक्ष ने बिना विलंब राहुल गांधी को लोकसभा के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। संजय राउत ने कहा कि जितनी तत्परता से यह फैसला लिया गया, उसकी कोई जरूरत नहीं थी, उन्हें घर से निकाल दिया गया। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है और सूरत कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी टिप्पणी की है।'

शाह आज राज्यसभा में पेश करेंगे दिल्ली सेवा बिल

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज यानी सात अगस्त को राज्यसभा में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक, 2023 पेश करेंगे। इससे पहले तीन अगस्त को राजधानी दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण मामले में उपराज्यपाल के फैसले को अंतिम माने जाने वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित कर दिया गया था। विधेयक पर हुई चाढ़े चार घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने विपक्ष के रवैये पर सवाल

उठाए थे। उन्होंने कहा कि था विपक्ष को देशहित, दिल्ली के हित की चिंता नहीं बल्कि गठबंधन बचाने की चिंता है। उन्होंने पूछा था कि आज विपक्ष को मणिपुर हिंसा की याद क्यों नहीं आ रही? विपक्ष आज प्रधानमंत्री को सदन में बुलाने की मांग क्यों नहीं कर रहा? इससे पहले भी जब नौ विधेयक पारित हुए, तब विपक्ष ने चर्चा में हिस्सा क्यों नहीं लिया?

राज्यसभा में भी पास होने की उम्मीद: सरकार की योजना विधेयक को सोमवार को राज्यसभा में पेश करने की है। विपक्षी एकता की मुहिम से दूरी बनाने वाले दलों बीजेडी, टीडीपी, वाईएसआरसीपी ने उच्च सदन में विधेयक का समर्थन करने की घोषणा की है। इसके अलावा बसपा ने राज्यसभा में मतदान से अनुपस्थित रहने का फैसला किया है। इन दलों के समर्थन के बाद उच्च सदन में भी विधेयक के पारित होने का रास्ता साफ हो गया है।

किसी भी मंत्रिस्तरीय बैठक में नहीं बनी घोषणापत्र पर सहमति

रूस-यूक्रेन के बीच भड़के युद्ध का जी-20 पर ग्रहण

नई दिल्ली: यूक्रेन और रूस के बीच तनाव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। ताजा घटनाक्रम में यूक्रेन के राकेट हमले में जिस तरह से रूस के नौ सैनिक अड्डे को क्षति पहुंचने की बात सामने आई है, उससे माना जा रहा है कि रूस की तरफ से भी बड़ी जवाबी कार्रवाई होगी। इन घटनाक्रमों से जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद साझा घोषणापत्र जारी करने की संभावनाएं और धूमिल होती जा रही हैं।

सभी देशों से संपर्क बनाये हुए हैं भारत: वैसे भारत लगातार सभी सदस्य देशों के साथ संपर्क बनाये हुए है कि घोषणापत्र के स्वरूप और इसकी भाषा को लेकर एक सहमति बन जाए, लेकिन बढ़ते तनाव को देखते हुए

भारत की कोशिशों का बहुत नतीजा निकलता नहीं दिख रहा। अमेरिका की अगुवाई वाले सबसे अमीर सात देशों का संगठन जी-7 भी लचीला रुख अपनाने के मूड में नहीं है।

जी-7 के कुछ सदस्य देशों ने दिया संकेत: कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि हाल के हफ्तों में जी-7 के कुछ सदस्य देशों ने भारत को यह संकेत दिया है कि उनके लिए यूक्रेन विवाद को लेकर नरम रवैया अख्तियार करना संभव नहीं है। पिछले दिनों जापान के विदेश मंत्री योशीमासा हायासी के साथ भारत के दौरे पर आये एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां तक कहा कि जी-20 का अध्यक्ष भारत है और किसी भी मुद्दे पर आम सहमति बनाने का मुख्य दायित्व अध्यक्ष का ही होता है।

अभी जी-7 का अध्यक्ष है जापान: जापान अभी जी-7 का अध्यक्ष है और भारत के साथ उसके रिश्ते बहुत ही मजबूत हैं। जापान आधिकारिक तौर पर भारत को सफलतापूर्वक जी-20 की बैठक का आयोजन करने में मदद देने की बात करता रहा है, लेकिन साझा बयान में सहमति बनाने में वह भी कोई वादा नहीं कर रहा।

असम में बांग्लादेशी आतंकी संगठन का सदस्य गिरफ्तार

गुवाहाटी: असम के धुबरी जिले में पुलिस ने शनिवार को बांग्लादेश के आतंकी संगठन अंसारुल बांग्ला टीम (एबीटी) के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा है कि आतंकी अब्दुस सुकुर अली को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास पकड़ा गया।

इस्लामिक आतंकी मॉड्यूल के लिए असम एक संभावित स्थान: धुबरी पुलिस की टीम ने बिलासीपारा थाना क्षेत्र के नायेरालगा से शनिवार सुबह उसे हिरासत में लिया। पुलिस अभी उससे पूछताछ कर रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने कहा था कि इस्लामिक आतंकी मॉड्यूल के लिए असम एक संभावित स्थान है। मॉड्यूल को समय-समय पर ध्वस्त किया गया है और यह आगे भी जारी रहेगा।

असम पुलिस ने एक्यूएलएस के नौ मॉड्यूल का किया था भंडाफोड़: इस वर्ष अप्रैल में धुबरी से एबीटी से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पिछले वर्ष असम पुलिस ने एबीटी और भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा (एक्यूएलएस) के नौ मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इससे जुड़े 53 लोगों को गिरफ्तार किया था। इन गिरफ्तारियों के बाद ऐसे प्राइवेट मदरसों को ध्वस्त किया गया था जहां आतंकी संगठनों से जुड़े शिक्षक युवकों को कट्टरपंथ का पाठ पढ़ा रहे थे।

ट्रक और प्राइवेट एंबुलेंस की टक्कर में एंबुलेंस ड्राइवर की मौत

अखंड भारत संदेश

उतरांव। हंडिया थाना क्षेत्र के बरौत चौकी अंतर्गत भीटी रसार में एंबुलेंस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में एंबुलेंस चालक की मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार मोनू साहू पुत्र लल्लू साहू उम्र 30 वर्ष निवासी नया पुरवा थाना करेली जनपद प्रयागराज एंबुलेंस लेकर बनारस से प्रयागराज जा रहा था जैसे ही भीटी रसार हाईवे पर पहुंचा तो सामने से आ रही ट्रक एचआर 55 बी आई 6394 तेज रफ्तार से आकर एंबुलेंस में टक्कर मार दी जिससे एंबुलेंस यूपी 70 जेटी 1480 बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई जिसमें मोनू साहू गंभीर रूप से घायल हो गया।

मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पर तुरंत बरौत पोलिस को दी मौके पर पहुंची बरौत पुलिस घायल मोनू को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहा पहुंची जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मोनू साहू को मृत घोषित कर दिया जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मछली मारने गए युवक की तालाब में डूबकर मौत

बारा। तालाब पर मछली मारने गए युवक की तालाब में ही डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के कोहड़िया गांव का है। हादसे की जानकारी होने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर मुकामी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्यवाही की। जानकारी के मुताबिक नारीबारी पुलिस चौकी क्षेत्र के कोहड़िया गांव निवासी अमन (28) बरसात के सीजन में मछली मारने के लिए क्षेत्र में निकला था। बताया जाता है कि वह गांव के ही धोबिया तालाब पर पहुंच गया और मछली मारने लगा।

रविवार को तीसरे पहर लगभग तीन बजे अमर तालाब में डूब गया और जब तक लोगों को इसकी जानकारी हो पाती, काफी देर हो चुकी थी। इसकी जानकारी तब हुई, जब लोग वहां पहुंचे और तालाब पर मछली मारने की लिए कटिया, झोला और चप्पल इत्यादि मिला। इसके बाद लोगों ने तालाब में अमन की तलाश शुरू की। सूचना पर मुकामी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे। अमन की मौत से परिजनों का रो- हाल है।

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला ने लगाई फांसी, मौत

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली,जिससे महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।मिली जनकारिणके अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के डेलौहा गांव निवासी रमाकांत गुप्ता की पत्नी रश्मि साहू (30) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहा करती थी।बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। सुबह जब परिजनों को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेते हुए विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। मृतक महिला को 11 माह की एक दुधमुंही बच्ची भी है।

न्यूज झरोखा

मेजा पुलिस ने चोरी की बाईक के साथ तीन युवकों को किया गिरफ्तार

मेजा रोड। मेजा पुलिस ने रविवार को चोरी की दो बाईकों व एक मोबाइल के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दें कि पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एसीपी मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी थानाध्यक्ष मेजा अखिलेश सिंह के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मेजारोड रामभवन वर्मा ने पुलिस सिपाहियों के साथ रविवार को मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान गोल चौराहा मेजारोड से चोरी की दो मोटर साइकिल व एक मोबाइल टच स्क्रीन के साथ तीन युवकों शिवकुमार पटेल पुत्र सुरेश चन्द्र पटेल निवासी मुरादपुर थाना करछना, सूरज पटेल पुत्र गिरजा शंकर निवासी चक पूरा मिया का पूरा थाना औधोगिक क्षेत्र व विमलेश पटेल पुत्र अगम लाल पटेल निवासी डाही टिकूरी थाना एयरपोर्ट को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी व बरामदी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अगली कार्रवाई करते हुए उक्त नफर को जेल भेज दिया गया।

जसरा में 28 छात्रों का हुआ एनसीसी में चयन

जसरा। जसरा के एक इंटर कॉलेज में मिलिट्री के सूबेदार मेजर द्वारा 28 छात्रों का चयन एनसीसी के रूप में किया। इस अवसर पर लगभग 9 दर्जन छात्रों ने भाग लिया। ईश्वर दिन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के मैदान में एनसीसी कैडेट्स के चयन हेतु 105 छात्रों ने प्रतिभाग किया। 15 यूपी बटालियन से आए सूबेदार विनोद कुमार एवं हवलदार प्रत्यूष के द्वारा छात्रों की शारीरिक परीक्षा, दौड़ एवं साक्षात्कार लिया गया। प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र सिंह ने बताया कि 105 छात्रों में कुल 28 छात्रों का एनसीसी कैडेट्स के रूप में चयन किया जाना है। इसकी घोषणा दो दिन बाद किया जाएगा।

वृक्षारोपण करके छात्राओं को पर्यावरण के प्रति किया गया जागरूक

जसरा। पेड़ हमारे जीवन का आधार है बिना पेड़ों के जीवन संभव नहीं हैं। पेड़ों हमें निःशुल्क एवम निःस्वार्थ रूप प्राणवायु समेत बहुमूल्य लकड़ी, फल - फूल आदि वस्तुएं प्रदान करते हैं। छात्र, नौजवान, किसान, शिक्षक आदि सभी लोगों को वृक्षारोपण एवम संरक्षण की दिशा में आगे आकर पर्यावरण को मजबूत करना चाहिए उक्त बातें अभिषेक सिंह पटेल शोध छात्र ने क्षेत्र के राजाराम इंटर कालेज में वृक्षारोपण के दौरान छात्राओं को पेड़ों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक विपिन सिंह नें कहा कि सभी विद्यार्थियों को प्रति वर्ष अपने जन्मदिन पर कम से कम पांच -पाँच पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का अटूट संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर आम, अमरुद, अशोक, नीम आदि के पौधे रोपे गए। उक्त अवसर पर अरुण पाल,अरविंद सिंह,नीरज प्रजापति,अजय पाल,विजय मौर्या आदि लोग मौजूद रहे।

मित्रता दिवस पर पौधरोपण कर निभाई मित्रता

कोराव। मित्रता दिवस के अवसर पर कुछ सामाजिक कार्यकताओं ने नए अंदाज में मित्रता निभाई। पौध लगा कर पौधों को जी अपना मित्र माना। कोराव मिश्रपुर के प्रमोद मिश्रा उर्फ पयासी सपा नेता ने राम कुबेर पब्लिक स्कूल कोराव में पौध लगा कर अपना मित्र मान कर मित्रता दिवस की अलख जलाई। मित्र अगर पौधों को भी माना जाए तो ये मित्रता अजीवन यादगार रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव के लिए सांसद के माध्यम से रेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जंघई। अमृत भारत योजना में चयनित जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मुख्य अतिथि के रूप में आए सांसद बी पी सरोज के माध्यम से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने जंघई में कई प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग किया। जिसमें 12875,12876 नीलांचल एक्सप्रेस,12355,12356 अर्चना एक्सप्रेस,14003,14004 मालदा एक्सप्रेस,12613,12614 श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेन है। रेल मंत्री से लोगों ने वाराणसी से बेंगलुरु के लिए जंघई होते हुए नई ट्रेन चलाने और 14123,14124 कानपुर से प्रतापगढ़ इंटरसिटी ट्रेन को जंघई तक चलाए जाने की मांग किया।मांग करने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य चंद्रमणि तिवारी, सुभाष मिश्र, भोलानाथ तिवारी, प्रदीप दुबे, भोलानाथ यादव, राजनाथ यादव आदि क्षेत्र के गणमान्य लोग रहे।इसके पूर्व समाजसेवी जज सिंह अन्ना ने स्टेशन के उत्तर तरफ गेट बनवाने की मांग करते हुए उपजिलाधिकारी मछलीशहर राजेश चौरसिया को ज्ञापन सौंपा।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जंघई जंक्शन का प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल शिलान्यास

अखंड भारत संदेश

जंघई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यूपी के 55 स्टेशनों सहित देश के 508 स्टेशन का रविवार को शिलान्यास किया जिसमें 24 हजार 7 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वीडियो कांफ्रेंसिंग से होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम से अलग-अलग रेलवे स्टेशनों से मंत्री व सांसद जुड़े इसके बाद पीएम मोदी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इस समारोह से जुड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 28 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले जंघई जंक्शन का भी वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए रिमोट दबाकर शुभारंभ किया पीएम मोदी के रिमोट की बटन दबाते ही तालियां गूंजने लगीं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिल रही है इसका हजारों युवाओं ने लाभ उठाया है। पीएम ने कहा कि विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है नई ऊर्जा, प्रेरणा, संकल्प है भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। जंघई स्टेशन शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद मछलीशहर बीपी सरोज शामिल रहे और सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अजय शंकर दुबे अज्जू भैया, ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, कपिल मुनि अध्यक्ष नगर पंचायत, स्टेशन अधीक्षक जंघई वीके सिंह, राजेश सिंह, पुष्पा शुक्ला, एसडीएम मछलीशहर राजेश चौरसिया मंचासीन हुए और वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस शिलान्यास कार्यक्रम में जुड़े। कार्यक्रम में बाबा मिश्रा, अभयराज मिश्रा, नन्हकऊ शुक्ला, केसी शुक्ला, विक्की शुक्ला, दिनेश पांडेय, चंद्रमणि तिवारी, बच्चन मिश्रा प्रधान, प्रमोद गुप्ता प्रधान, अनिल तिवारी, जज्ज सिंह अन्ना, वेदप्रकाश मिश्रा, रोहित तिवारी, संदीप गुप्ता, नंदलाल गुप्ता, कन्हैया लाल गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान बाइक तमंचा के साथ इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

पूरामुफ्ती। प्रयागराज थानाध्यक्ष पूरामुफ्ती मय हमराह पुलिस बल के बीती रात टिकरी तिराहे पर मौजूद थे कि सर्विलांस प्रभारी नगर मय टीम के मौके पर आये। मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम टिकरी से मीरापुर जाने वाली रोड पर ईंट भट्टा से पहले चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को पुलिस द्वारा रोका टोका गया जिसके द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया गया। पुलिस बल द्वारा आत्मरक्षार्थ फायर किया गया जिससे अभियुक्त के बायें पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार हेतु चिकित्सालय भेजा

प्रयागराज के विभिन्न थानों में पंजीकृत 19 अभियोगो में अभियुक्त है वांछित

गया।प्राथमिक जानकारी के अनुसार अभियुक्त का नाम मो0 हैदर पुत्र मो0 असलम नि0 शिलाखाना तेलियरगंज थाना शिवकुटी प्रयागराज, हालपता कांशीराम कालोनी थाना फाफामऊ प्रयागराज है उपरोक्त अभियुक्त मो0 हैदर, जनपद प्रयागराज के विभिन्न थानों में पंजीकृत 19 अभियोगो में वांछित है और 25000/- रू0 का इनाम घोषित अपराधी है। मौके पर अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमन्चा .315 बोर, 01 खोखा, 02 जिन्दा कारतूस .315 बोर व 01 मोटर साइकिल बरामद हुयी है।

काल उसका क्या करे जो भक्त हो महाकाल का : विशुद्धानंद महराज

शंकरगढ़। भक्तों का कष्ट करने वाले देवाधिदेव महादेव शिव कल्याण, मंगल और आनंद स्वरूप हैं। भक्तों का कष्ट हरने के लिए वह सदैव तत्पर रहते हैं। जिस भक्त की निष्ठा शिव के चरणों में है, भगवान शिव सदैव उसके कष्टों को हरते हैं। नगर पंचायत शंकरगढ़ के रामभवन चौराहा में आयोजित शिवमहापुराण कथा में विशुद्धानंद महराज ने सातवें दिन शनिवार को शिव की महिमा का बखान किया। राम भवन चौराहा स्थित व्याघ्रवंश रायल पैलेस में गोरेलाल सिंह की यजमानी में आयोजित शिव महापुराण कथा में विशुद्धानंद महराज ने शनिवार को 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा, जो भी ज्योतिर्लिंग इस धरा पर प्रकट हुए हैं, वह सब भक्तों के कष्टों को हरण करने के लिए ज्योतिपुंज स्वरूप में हैं। शिव के भक्तों को किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि काल भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जो महाकाल का भक्त है। उन्होंने कहा, अनंत काल में एवं अनंत समय में शिव ने अनंत स्वरूप धारण कर अपने भक्तों का कल्याण किया है। अपने भक्तों का दुःख दूर किया है। सावन माह उनकी आराधना का पावन समय है और इस सावन माह में जो भी शिव आराधना करता है, उसका शिव हमेशा मंगल ही करते है। कथा का सातवें दिन भारी भीड़ देखनेको मिली। आज की कथा का समापन पूजन-अर्चन और आरती से किया गया। अंत में भक्तों को प्रसाद बांटा गया।

बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाएं शिक्षक : प्रकाश नारायण

अखंड भारत संदेश

करछना। अमर शहीद गिरीश कुमार शुक्ल स्मारक गुरुकुलम पब्लिक स्कूल हनुमानपुर में शनिवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ केपी तिवारी की अध्यक्षता में शिक्षक व अभिभावक बैठक हुई । जिसमें अभिभावक लोगों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य केपी तिवारी ने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को निर्धारित समय पर स्कूल ड्रेस में विद्यालय भेजने तथा बच्चों की पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने की बात कही। संगोष्ठी का संचालन विद्यालय के शिक्षक सुरेश सिंह सोमवंशी ने किया। विद्यालय के डायरेक्टर अधिवक्ता प्रकाश नारायण द्विवेदी ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बेहतर शैक्षिक वातावरण को बनाए रखने की सलाह दी। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहे । तथा संगोष्ठी बैठक में आए हुए सभी अभिभावकों का विद्यालय विकास के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक स्थिति से अवगत कराया संगोष्ठी में आए हुए अभिभावकों में अमित मिश्रा ककरम प्रधान प्रतिनिधि, विजय बहादुर पाल प्रधान इसौटा, विनोद विश्वकर्मा, रमेश आदिवासी, सागर शुक्ला, दिनेश सोनी, पूनम, गुड़िया पांडेय, दयाशंकर ओझा, आशीष गुप्ता, राजेंद्र सिंह, सत्यम मिश्रा इत्यादि के साथ विद्यालय शिक्षक शशांक शुक्ला शुभम शुक्ला, अरविंद मिश्रा, बलराम, चंदन वीरेंद्र गुप्ता, सीमा सिंह श्वेता द्विवेदी, निधि, प्रिया कोमल, शिखा, राधा संध्या, अनुराग सिंह, कमलाकांत तिवारी गजानन इत्यादि उपस्थित रहे।

अनुशासित ढंग से प्रशासन का सहयोग करते हैं सिविल डिफेंस वार्डेन

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी में पोस्ट वार्डन राजेश कुमार यादव के आवास पर मासिक बैठक के दौरान कहा, प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने के लिए नवीनीकरण भर्ती, पदोन्नति तथा प्रशिक्षण अनवरत चलता रहता है। समाज के जागरूक जन सिविल डिफेंस प्रशिक्षण प्राप्त कर परिवार, तथा समाज को व्यवस्थित ढंग से चलाने में सहयोग दे सकते हैं। बैठक में उन्होंने श्रावण मास में श्रद्धालुओं का सहयोग, आगामी स्वतंत्रता दिवस ,मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आदि पर प्रकाश डालते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सक्रिय सहभागिता पर बल दिया। बैठक में स्टाफ ऑफिसर प्रखंड नैनी पूनम गुप्ता ने पोस्ट 8 द्वारा कोविड-19 में किए सामाजिक तथा प्रशासनिक कार्यों की सराहना की तथा सेक्टर स्तरीय बैठकों पर जोर दिया। इस अवसर पर पोस्ट के तमाम वार्डन स्वयंसेवकों ने उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार मेरी माटी मेरा देश 15 अगस्त, नवीनीकरण एयरशो तथा श्रावण मास में श्रद्धालुओं को प्रशासन के साथ मिलकर सहयोग देने का आश्वासन दिया पोस्ट वार्डन राजेश कुमार यादव ने पूर्व में किए कार्यों को बताते हुए मुख्यालय के निदेर्शानुसार आगामी कार्यक्रमों में प्रतिभाग का आश्वासन दियाआपदा अथवा शांति काल में नागरिकों के बीच गार्डेंस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उक्त बातें सिविल डिफेंस प्रखंड नैनी के डिवीजन वार्डन कृष्ण तिवारी ने आज बैठक में मुख्य रूप से रवि केसरवानी, राजू पटेल, मुकेश जायसवाल, पंकज सिंह, हरिकृष्ण विश्वकर्मा, रामचंद्र देवांशी, बंटी जेम्स राकेश शर्मा, राजकुमार वर्मा, हेमराज शर्मा, उर्मिला आदिवासी तथा आशु राठौर आदि ने भाग लिया।

जहर से तड़प रहे युवक को मऊआइमा की एंबुलेंस ने पहुंचाया अस्पताल

नवाबगंज। ससुराल आए युवक की जहर खाने से हालत बिगड़ी तो सूचना पर सोरांव की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। जिसके बाद एंबुलेंस पर पीड़ित को अस्पताल के लिए ले जाती। वही एंबुलेंस में तकनीकी खराबी के चलते एंबुलेंस स्टार्ट नहीं हुआ। वही सूचना पर मऊआइमा की एंबुलेंस मौके पर पहुंचे और जहर से जूझ रहे युवक को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा निवासी मनोज कुमार अपनी ससुराल हरखपुर आया था। बताया जाता है कि मनोज कुमार किन्ही कारणों से जहर निगल लिया था। जब मुंह से झाग निकलने लगा तो सूचना एंबुलेंस को दी गई। सूचना पाकर सोरांव की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और जहर से तड़प रहे मनोज को अस्पताल ले जाती। उसके पहले ही तकनीकी खराबी के चलते एम्बुलेंस नहीं स्टार्ट हो सका। जिसके चलते मऊआइमा की 108 एम्बुलेंस सूचना पर ईएमटी सुनील पटेल एवं पायलट शिव प्रसाद मौके पर पहुंचकर आनन फानन अस्पताल ले गए। जिसके बाद जहर से पीड़ित मनोज को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजा कमलाकर इंटर कालेज में बैठक आठ को

शंकरगढ़। संचारी रोग अभियान के तहत जनपद भर के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को कीड़े की दवा खिलाई जाएगी। राजा कमलाकर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डा. अनय प्रताप सिंह ने बताया कि डीआईओएस ने उक्त के संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक विकास खंड शंकरगढ़ के सभी माध्यमिक विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि उक्त के संबंध में एक प्रशिक्षण बैठक का आयोजन आठ अगस्त को आरकेआईसी शंकरगढ़ में किया जा रहा है। प्रधानाचार्य ने विकास खंड शंकरगढ़ के सभी माध्यमिक विद्यालयों से कहा है कि वह लोग बैठक में प्रतिभाग कराना सुनिश्चित कराएं। बैठक में भाग लेने के लिए विद्यालय से किसी शिक्षक व शिक्षिका को प्रशिक्षण के लिए नामित करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों को पेट के कीड़े मारने की दवा खिलाने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय में खिड़की तोड़कर चोरी

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय बैजपुर में खिड़की तोड़कर शनिवार की रात चोर अंदर घुस गए। अंदर रखा हुआ सामान उठा ले गए। घटना की जानकारी रविवार की सुबह होने पर प्रधानाध्यापिका रीता कुशवाहा विद्यालय में पहुंची तो पता चला कि अंदर रखा हुआ 4 बोरी चावल, 2 बोरी गेहूं, थाली, भगोना आदि बर्तन समेत कई अभिलेख चोर उठा ले गए हैं। मामले की जानकारी प्रधानाध्यापिका ने थरवई पुलिस और बीआरसी कार्यालय बहरिया में दिया गया है।

साइकिल सवार को डंपर ने मारी टक्कर गंभीर

मऊआइमा। साइकिल से सामान लेने जा रहा एक व्यक्ति सड़क पर दो डंपर ओवरटेक करने लगे जिस के चपेट में आने से साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मालूम हो कि मऊआइमा थाना क्षेत्र के घीन पुर हरि का पूरा गांव निवासी छोटे लाल यादव(55) किसी जरूरी काम से साइकिल ले कर घर से मऊआइमा जाने वाली सड़क पर निकले ही थे कि बताते हैं कि मोहनपुर के पास दो डंपर ओवरटेक करने लगे जिसकी चपेट में छोटेलाल आ गया। और गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे शहर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां उसकी हालत चिंता जनक बताई जा रही है।ग्रामीणों ने डंपर खडी करा कर पुलिस को सूचना दे दी है।

जसरा बाजार का ट्रांसफार्मर जला अंधेरे में रहने को मजबूर हुए उपभोक्ता

अखंड भारत संदेश

जसरा। जसरा बाजार स्थित 400 केवी का ट्रांसफार्मर की एक खूंटी देर शाम जल गई। स्थानीय लोगों ने बिजली अधिकारियों से फोन से सूचना देने का प्रयास किया लेकिन फोन नहीं उठा। शनिवार की देर शाम लगभग 8:00 बजे जसरा बाजार का 400 केवी का ट्रांसफार्मर की एक खूंटी तेज आवाज के साथ जल गई। जिसके बाद आधा बाजार अंधेरे में डूब गया। बिजली विभाग की मनमानी के चलते 22 घंटे बाद भी बिजली की आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। जिससे बिजली उपभोक्ता आक्रोशित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने के लिए लगाए गए संविदा कर्मी भी मनमानी करते हैं। लोगों ने बताया कि एक संविदा कर्मी की तैनाती रात को जसरा बाजार में की गई है। लेकिन ड्यूटी पर तैनात बिजली कर्मी तकनीकी खराबी को ठीक करने के लिए नहीं आता। जिससे लोग परेशान हैं । स्थानीय लोगों ने बिजली कर्मियों की मनमानी पर लगाम लगाने तथा तकनीकी खराबी को दुरुस्त किए जाने की मांग की है।

जल निगम का ट्रांसफार्मर जला पेयजल की हो रही समस्या

जसरा। जसरा जल निगम का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण क्षेत्र में पेयजल को लेकर हाहाकार मच गया है। लोग पानी के लिए सुबह से शाम तक हैंडपंप पर लाइन लगायें रहते हैं। जसरा जल निगम का नलकूप जो विकासखंड परिसर के पास स्थित है। उसका 63 केवीए का ट्रांसफार्मर शुक्रवार की रात जल गया था। जिसकी सूचना आपरेटर ने बिजली विभाग को तत्काल दे दिया था किंतु 48 घंटे से ऊपर का समय गुजर जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने के कारण क्षेत्र के कई दर्जन गांव में पेयजल को लेकर के घोर संकट खड़ा हो गया है। क्षेत्र में जल निगम ही लोगों के पेयजल का एक बड़ा साधन है। क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने बताया कि 48 घंटे से ऊपर बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने के कारण लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। पानी के लिए लोगों को सुबह से शाम तक हैंडपंप पर लाइन लगाना पड़ रहा है। विभाग के अधिकारियों की नींद जब तक खुलेगी तब तक पानी के लिए हाहाकार मचा रहेगा।

खबर संक्षेप

डीपीएस में अर्थोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया

नैनी। नैनी स्तिथ दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अर्थोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह का शुभारंभ सचिन अग्रवाल (सीए) मेम्बर ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अककॉउंटेंट ऑफ इंडिया के कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ विद्यालय की अध्यक्षा सोनू सिंह एवं प्राचार्या डॉ सुजीता सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर प्रेजेंटेशन जैसे इकोनॉमिक इश्यू,टॉक रॉक्स,लोगो एन्ड पोस्टर डिजाइनिंग, न्यू बिजनेश आइडिया सेल्स रॉक स्टार आदि प्रतियोगिताओं में जोश एवम उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सचिन अग्रवाल ने अपने वक्तव्यों द्वारा छात्र-छात्राओं को फेस्ट की प्रतियोगिता के आयोजन के उद्देश्य से अवगत कराने के साथ दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) नैनी ,प्रयागराज के शैक्षिक वातावरण की सराहना करते हुए छात्र-छात्राओं इससे लाभान्वित होने के लिये प्रेरित किया। आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को प्राइज, ट्रॉफी एवम प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रभारी मंत्री ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग एवं गंगा प्रदूषण के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

मंत्री जी ने एसटीपी से निकल रहे शोधित सीवेज को देखा एवं एसटीपी परिसर में किया पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंत्री, जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0/प्रभारी मंत्री, जनपद प्रयागराज श्री स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को सर्किट हाउस में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग एवं गंगा प्रदूषण(जल निगम) के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री जी के द्वारा नलकूपों की चलित स्थिति, नहरों के संचालन एवं पानी की उपलब्धता की गहन समीक्षा की गई। मंत्री जी ने समस्त नलकूपों एवं पंप नहरों को पूरी क्षमता से चलाने तथा जनपद के सभी नहरों के टेल तक पानी पहुंचने के निर्देश दिए गए। मंत्री जी द्वारा एसटीपी रिंग बांध के स्लोप पिचिंग कार्य का निरीक्षण किया गया। एसटीपी रिंग बांध पर बाढ़ कार्य खण्ड के बाढ़ नियंत्रण का निरीक्षण किया गया। नियंत्रण कक्ष के साफ-सफाई एवं फर्नीचर की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। मंत्री जी द्वारा एसटीपी से निकल रहे शोधित सीवेज को देखा गया। मंत्री जी द्वारा एसटीपी परिसर में पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर हर प्रसाद मुख्य अभियंता बाणसागर परियोजना, सिद्धार्थ कुमार सिंह अधीक्षण अभियंता सिंचाई कार्य मंडल प्रयागराज, प्रभात कुमार दुबे अधीक्षण अभियंता अष्ट दशम मंडल सिंचाई कार्य, प्रयागराज एवं आरके शर्मा अधीक्षण अभियंता, नलकूप तथा अधिशासी अभियंता गण उपस्थित रहे।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ने से झूंसी एसटीपी को किया गया बंद

झूंसी। गंगा जमुना का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ रहे जलस्तर को देख तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की नींद उड़ गई है। झूंसी में बने एसटीपी को बंद कर दिया गया। पानी बदरा सोनौटी मार्ग के करीब आ गया है। मार्ग पर पानी भर जाने से दर्जनों गांव में आवागमन बाधित होने के साथ बिजली भी काट दी जाती है। बाढ़ का पानी रविवार की शाम क्रिया योग आश्रम के नीचे बनी सड़क तक आ गया। बाढ़ के खतरे को देखते हुए गंगा तट पर बने कई आश्रम में रहने वाले साधु संत अपने-अपने सामान समेटने लगे तो वही झूंसी कोहना मलाही बस्ती के लोग भी नीचे रखे सामानों को दूसरे तल पर पहुंचाने लगे हैं। जहां बाढ़ को देखकर किसानों व तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों चिंतित नजर आ रहे है वहीं कुछ लोगों के लिए बाढ़ का नजारा मनोरंजन का साधन बना हुआ है। क्षेत्र के घाटों पर सुबह-शाम बाढ़ का नजारा लेने वालों की भीड़ लग रही है।

मामूली विवाद में युवक को उतारा मौत के घाट

अखंड भारत संदेश

सोरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के लकड़मंडी नहर ददौली के पास स्थित तख्खू का पूरा गांव के एक युवक को मामूली विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दिया है। मामले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों में एक आरोपी को उसके घर से पकड़ कर थाने ले आई और पूछताछ कर रही है। वही तीन आरोपी मौके से भाग गए पुलिस भागे हुए आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।गौरतलब है कि शनिवार लगभग 8 बजे रात में तख्खु का पूरा ददौली निवासी प्रभु पटेल, बल्लू पटेल महेंद्र तथा अरविंद ने गांव के ही राजेंद्र कुमार पटेल पुत्र राधेश्याम से मामूली विवाद हो गया था। जिसको लेकर मौके पर रहे लोगों ने दोनों पक्षों को डांट फटकार कर घर भेज दिए थे। रोज की तरह खाना पीना खाकर राजेंद्र कुमार अपने नवनिर्मित मकान में सो रहा था। आरोप है कि उसी रंजिश को लेकर गांव के ही प्रभु पटेल, बल्लू पटेल, महेंद्र तथा अरविंद ने राजेंद्र कुमार 32 साल को लाठी डंडे से पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिए। रविवार सुबह जब मृतक का पिता राधेश्याम अपने नवनिर्मित मकान पर गया तो देखा कि घर में बेटा मरा हुआ है। तथा उसके नाक और मुंह से खून निकल रहा है। शोर मचाने पर तुरंत आनन-फानन में गांव वाले इकट्ठा हुए तथा सोरांव थाने पर सूचना दिए। मौके पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और हत्यारे के खोज बीन में जुट गई। तथा गुस्साए हुए लोगों को शांत करवाते हुए लगभग सुबह लगभग 9 बजे के करीब शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने एक आरोपी भल्लू को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। तथा भागे हुए आरोपियों के तलास में पुलिस जुट गई है। वहीं मृतक की पत्नी गीता व 5 बच्चो के संग माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल है।

चोरों ने घर से नगदी समेत आभूषण किया पार

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के मलाका मय भैंसाही गांव में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने मौका देख घर के अंदर घुस कर कमरे में रखा नकदी समेत सोने व चांदी के आभूषण उठा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाका मय भैंसाही गांव निवासिनी संजू देवी पत्नी राजकुमार मौर्य ने शनिवार की शाम रोज की भांति भोजन के पश्चात अपने बच्चों के संग घर में सो गई। परंतु अज्ञात चोरों ने मौका देखते ही घर में घुसकर कमरे का दरवाजा खोल कर रखा बाकस बाहर उठा ले गए। जिसमें रखा सोने की झुमकी, बाला, अंगूठी तथा चांदी का 4 जोड़ी पायल, बिछिया व अंगूठी तथा बाकस में रखा लगभग नौ से दस हजार रुपया नगदी चोर चोरी कर ले गए। भुक्तभोगी संजू देवी के अनुसार वह भोर में 3 बजे जब उठी तो सारा सामान गायब देखकर अचंभित रह गई और उनका होशो हवास उड़ गया। और वह बच्चों को जगाते हुए शोर मचाने लगी। कुछ देर बाद सूचना पर पहुंची 112 नंबर पीआरबी पुलिस ने जांच पड़ताल कर वापस चली गई। शुक्रवार की सुबह संजू देवी ने थरवई थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर उचित कार्रवाई करने की मांग किया है।

प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

तीन महीने से दोनों साथ में रह रहे थे, रिश्ते में मामी और भांजे थे

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी रेलवे स्टेशन के पास प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। दोनों रिश्ते में मामी-भांजे थे।जीआरपी और आरपीएफ का कहना है कि दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर एक साथ ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। जबकि लड़के के रिश्तेदारों का कहना है कि वह मामी को लेकर कहीं कमाने जा रहा था। इसलिए मामला खुदकुशी और हत्या के बीच में उलझा हुआ है। दोनों कौशांबी जनपद के रहने वाले थे। रविवार को दोपहर 3:30 बजे प्रयागराज के नैनी रेलवे स्टेशन के समीप माल गोदाम के सामने युवक युवती की ट्रेन से कटी लाश मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची जीआरपी की टीम ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर तलाशी ली। उनके पास से मिले मोबाइल और कागजात के आधार पर घर वालों को सूचना दी गई। घर वाले मौके पर पहुंचे और दोनों की पहचान की। लड़के की पहचान मनजीत कुमार (23) पुत्र हुबलाल निवासी भयला, मखदुमपुर, करारी, कौशांबी और लड़की की पहचान चंद्रावती (26) पत्नी गणेश कुमार निवासी खंडवारी नारा मंझनपुर के रूप में की गई। उसके 5 साल का एक बेटा है। मनजीत के मौसा रमेश कुमार ने बताया कि मनजीत और चंद्रावती पिछले 3 महीने से प्रयागराज के नैनी के गंगोत्री नगर मोहल्ले में रहते थे। दोनों का आपस में अफेयर चल रहा था, लेकिन दोनों के परिवार उनके रिश्ते को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। शनिवार की रात में मनजीत ने फोन करके कहा था कि परिवार वाले उनके रिश्ते को एक्सेप्ट करने को तैयार नहीं है और वह दोनों अलग होने को नहीं तैयार है। इसलिए वह लोग बाहर जा रहे हैं। बाहर रहकर कहीं अपना गुजर बसर करेंगे। उसकी बातचीत से कतई नहीं लग रहा था कि वह लोग सुसाइड करने की तैयारी कर रहे हैं। जीआरपी का कहना है कि प्रथम दृष्टया सुसाइड लग रहा है। दोनों माल गोदाम के सामने ट्रेन के आगे कूद गए हैं। दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया गया है। जांच के बाद चीजें स्पष्ट होगी। चौकी इंचार्ज जीआरपी वीरेंद्र प्रसाद सरोज ने बताया वकि घरवालों की तरफ से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुंडेरा मंडी में आढ़तिए की संदिग्ध दशा में मौत

बेटी बोली- खाने में जहर देकर मारा गया, दो लोगों ने हड़प ली थी दुकान

प्रयागराज। में मुंडेरा मंडी में रविवार को दोपहर आढ़तिए की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी बेटी ने दो लोगों को पिता के खाने में जहरीला पदार्थ खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हाऊस भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। कीडगंज मोहल्ला निवासी मोहम्मद नफीस (62) पुत्र मोहम्मद शफी की मुंडेरा मंडी में अ 57 नाम से बहुत पुरानी सब्जी फल की आढत की दुकान है। प्रतिदिन मोहम्मद नफीस अपने घर से सुबह मंडी जाते थे और शाम तक वापस लौटते थे। रविवार को भी सुबह घर से मंडी गए थे। दोपहर बाद उनके घर में मुंडेरा मंडी में उनके पड़ोस के आढ़तियों ने सूचना दी कि उनकी मौत हो गई है। पता चलने पर उनकी बेटी फरहा नाज, पत्नी फरजाना बेगम व परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को खबर दी गई। बेटी फरहा नाज ने पिता की हत्या की आशंका जताते हुए लाश का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए कहा। धूमनगंज पुलिस ने शव का पंचायत नामा करके पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। बेटी फरहा नाज ने बताया कि शाहगंज सब्जी मंडी के रहने वाले वसीम और बहार ने उसके पिता की दुकान साजिश करके हथिया ली थी। तब से उसके पिता लगातार अपनी दुकान के हक की लड़ाई कानूनी रूप से लड़ रहे थे। कहीं से उन्हें न्याय नहीं मिल रहा था। आरोपी पक्ष लगातार उन्हें धमका रहे थे। उसके परिवार वालों को शक है कि उसके पिता को वसीम और बहार ने खाने में कुछ मिलाकर खिला दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। घर से वह पूरी तरह से स्वस्थ गए थे। अचानक उनकी मौत कैसे हो गई।स्पेक्टर धूमनगंज राजेश मौर्या ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा कि मौत की वजह क्या है? उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिया मेहंदी लिया द मोती झील से कजरी पर झूमीं मातृशक्ति

अखंड भारत संदेश

झूंसी। रुद्रा संगम अपार्टमेंट अंदावा झूंसी में रुद्रा परिवार के सौजन्य से हरियाली तीज जैसे पौराणिक त्यौहार की अनूठी व अद्भुत परंपरा को कायम रखते हुए रुद्रा परिवार की मातृशक्तियों ने कजरी के त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना कर यह सिद्ध कर दिया यह तीज का त्योहार एक सद्भावना एवं प्रेम का त्यौहार है जो सभी को एकजुटता का संदेश देता है। रुद्रा परिवार की मातृशक्तियों ने इस त्यौहार को मनाने के लिए पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास से हिस्सा लिया। हरियाली तीज की रूपरेखा प्रभा सिंह एवं अमिता सिंह बनाया। हरियाली तीज के कार्यक्रम में मातृ शक्तियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया कजरी के गीत पिया मेहंदी लिया द मोती झील से जाके साइकिल से ना लोकगीत पर मातृ शक्तियों एवं बच्चों ने धूम मचाए।जिसमें रत्ना तिवारी, रमा राजेश प्रजापति,शालिनी सिंह, उमा सिंह, वन्दना सिंह,बबीता मिश्रा, रेखा तिवारी, रंजना मौर्य, रचना तिवारी , इन्दु शुक्ला, सुशीला सिंह, ऋतु सिंह, प्रिया पाठक, ऋतु पाठक, शिवानी सिंह, बाबी तिवारी, अन्नू, रश्मि पाण्डेय, प्रिया , ज्योति वर्मा, सृष्टि वर्मा, प्रीति सिंह एवं रुद्रा परिवार की अन्य सभी मातृशक्तियों ने मिलजुल कर हरियाली तीज एवं सावन पर जोरदार कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिए। विगत कुछ दिनों सभी महिलाओं को हिस्सा लेने के लिए उत्प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिए जिसमें दिव्या, निखिल, कौशल, काजल, अंशिका, देव, अंश, कुश व सोसाइटी के सभी बच्चों ने अपनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। क्लब हाऊस की सजा सज्जा में भी बच्चों द्वारा किया गया।

न्यूज झरोखा

जल शक्ति मंत्री से कोटवा में जलनिगम की पाइप में लीकेज की शिकायत

झूंसी। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से बहादुरपुर के कोटवा गांव जल निगम की पाइप में लीकेज की शिकायत की गई। स्वतंत्र देव सिंह परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ रविवार की शाम लखनऊ जाते वक्त झूंसी गंगा तट पर स्थित मोनी आश्रम पहुंचे थे। वहां पर मौजूद आचार्य गौरी शंकर, मोहन ब्रह्मचारी, रजनीकांत सहित आश्रम में उपस्थित साधु-संतों के व वेद पाठियो का भी हाल मंत्री ने जाना वेद पाठियों ने जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का श्लोक के माध्यम से स्वागत किया। वहां उपस्थित अवधेश कुमार ने जल शक्ति मंत्री से शिकायत की कि बहादुरपुर विकासखंड के कोटवा गांव में कई जगह जल निगम की पाइप में बड़े लीकेज है जिसकी वजह से कुछ महीने पहले ढाई करोड़ की लागत से बनी सड़क पर कई जगह जानलेवा गड्ढे हो गए है। मामले की शिकायत मुख्य अभियंता व एक्सियन से कई बार की गई पर लीकेज के दुरुस्त नहीं किया गया। मंत्री ने जल्द से जल्द के लीकेज दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया।

न्यू टाऊन हॉल पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में छात्र परिषद का हुआ गठन

झूंसी। अन्दावा स्थित न्यु टाऊन हाल पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज के परिसर में छात्र परिषद का गठन किया गया` जिसमे डायरेक्टर रोमिला रस्तोगी, प्रधानाचार्या शालिनी श्रीवास्तव ने नव निर्वाचित छात्रों को पदाभार ग्रहण कराया एवं कार्यभार सौंपा। नव निर्वाचित छात्र परिषद् में स्कूल हेड ब्वाय निर्मल मिश्रा स्कूल हेड गर्ल शिप्रा श्रीवास्तव , ब्लु हाऊस कैप्टन मोहम्मद मोहिद , रेड हाऊस कैप्टन सुहानी केसरवानी, येल्लो हाऊस कैप्टन विशाल सोनी , ग्रीन हाऊस कैप्टन इनित्शा फातिमा रहे` कार्यक्रम का संचालन तौसीफ इकबाल ने किया` इस मौके पर श्री रुझान रस्तोगी, शुभी रस्तोगी विकास केलकर, विकास पुराणिक, आरती शुक्ला, सुनील मिश्रा प्रभात श्रीवास्तव , अजय सिंह आदी मौजूद रहे।

बारिश में ढहा मकान कालोनी की मांग

झूंसी। वार्ड नंबर 52 झूंसी हवेलिया निषाद बस्ती में नरोत्तम भारतीया का मकान दो दिन पहले हुई तेज बारिश की वजह से जर्जर हो गया था। शनिवार को वह अचानक ढह गया। कोई हताहत तो नही हुआ पर घर के अंदर रखा टीवी, बेड सहित अन्य गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। मौके पर पहुंचे पार्षद गुल फिरोज ने फूलपुर एसडीएम को घटना की जानकारी दी। एडीएम ने हर संभव मदद का भरोसा दिया। एडीएम के निर्देश पर कानूनगो विकास ओझा मौके पर मुआयना किया। लोगो ने प्रशासन से नरोत्तम भारतीया के लिए कालोनी को मांग की।

कमिश्नरेट कार्यालय की शिफ्टिंग को लेकर अफसरों में ठनी, एडीजी छुट्टी पर गए

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। एडीजी के कार्यालय न छोड़ने पर रिकॉर्ड रूम को खाली कराकर पुलिस कमिश्नर का दफ्तर बनाने का काम शुरूप्रयागराज। कमिश्नरेट के नए कार्यालय की स्थापना को लेकर अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर और पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा में खींचतान बढ़ गई है। एडीजी खुद को सीनियर बताते हुए पीएचक्यू का प्रथम तल छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। यहीं के रिकॉर्ड रूम को खाली कराकर पुलिस कमिश्नर का कार्यालय बनाया जा रहा है। इससे नाराज एडीजी छुट्टी पर चले गए हैं।अफसरों के बीच खींचतान का यह मामला सीएम कार्यालय तक पहुंच गया है। खुफिया विभाग ने भी इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी है।सूत्रों के मुताबिक खुफिया विभाग की ओर से शासन को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद तैनात किए गए पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने अपने कार्यालय में एक भी दिन बैठकर सरकारी कार्य नहीं किया है। अपर पुलिस आयुक्त ही अपना सरकारी कामकाज दफ्तर में बैठकर निबटाते आए हैं।पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के पुराने भवन में एडीजी जोन, पीएसी पूर्वी जोन के आईजी, क्षेत्रीय अभिसूचना इकाई, सतर्कता अधिष्ठान व सीबीसीआईडी के एसपी के साथ-साथ एटीएस और एसटीएफ के कार्यालय संचालित हैं। इसी भवन में कमिश्नरेट की स्थापना का आदेश डीजीपी विजय कुमार ने जारी किया है। इसके बाद एएसआई से संरक्षित पीएचक्यू के पुराने भवन में कमिश्नरेट कार्यालय की स्थापना शुरू की गई है। कई दफ्तर खाली कराए जा चुके हैं। क्षेत्रीय अभिसूचना इकाई के दफ्तर को मौखिक निर्देश पर ही खाली करा दिया गया है।

अपना कार्यालय छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं एडीजी

इस बीच कई अफसरों ने दफ्तर छोड़ने में आनाकानी शुरू कर दी है। इससे स्थिति असहज हो गई है। भूतल पर जहां कमिश्नरेट की शिफ्टिंग कराई जानी है, वहीं एडीजी का कार्यालय है। एडीजी अपना कार्यालय पुलिस कमिश्नर दफ्तर के लिए छोड़ने के बजाए छुट्टी पर चले गए हैं। शुक्रवार को उन्हें वापस आना था, लेकिन उन्होंने अवकाश बढ़ा दिया है। इससे असमंजस के बादल छा गए हैं। सूत्रों का कहना है कि कार्यालय शिफ्टिंग को लेकर एडीजी जोन ने शासन को पत्र भी लिखा है।कमिश्नरेट की शिफ्टिंग को लेकर अफसरों में खींचतान की शिकायत सीएम कार्यालय तक पहुंच गई है। खुफिया विभाग की ओर से भी इस खींचतान पर शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। इसमें कहा गया है कि पुलिस मुख्यालय के पुराने भवन में कमिश्नरेट की स्थापना को लेकर एडीजी जोन और पुलिस कमिश्नर के बीच सामंजस्य नहीं है। इस वजह से जनता परेशान है और सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। पूरे प्रकरण पर दोनों अफसर मौन हैं।

बीएसए को दूसरे बीएसए, बेसिक शिक्षा परिषद सचिव के फैसले पर टिप्पणी का अधिकार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बुलंदशहर को पति के दिल्ली पुलिस में केंद्रीय अधिकारी होने की वजह से याची अध्यापिका को दस अंक देकर अमेठी से बुलंदशहर स्थानांतरित करने के बीएसए अमेठी तथा सचिव बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है।कोर्ट ने बीएसए बुलंदशहर को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया है कि किस कानूनी प्राधिकार से उन्होंने तबादला आदेश मानने से इन्कार किया है। याचिका की अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल ने अर्चना तालिया की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि वह अमेठी में अध्यापिका के पद पर कार्यरत है। उसने बीएसए अमेठी से अंतरजनपदीय तबादले की मांग की। कहा, उसके पति दिल्ली पुलिस में अधिकारी हैं। बीएसए ने उसे दस अंक देकर सचिव, बेसिक शिक्षा परिषद के पास संस्तुति भेजी। सचिव ने याची का बुलंदशहर तबादला कर दिया। किंतु बीएसए बुलंदशहर ने याची के पति को केंद्र सरकार का अधिकारी मानने के फैसले को गलत करार दिया। कहा, बीएसए अमेठी ने दस अंक देकर गलती की है।कोर्ट ने कहा, एक बीएसए को दूसरे बीएसए तथा परिषद के सचिव के निर्णय पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। तबादले पर अमल न करने का आदेश कानून की दृष्टि में कायम रहने योग्य नहीं है। कोर्ट ने बीएसए बुलंदशहर के आदेश पर रोक लगाते हुए सफाई मांगी है कि किस अधिकार से ऐसा आदेश दिया है।

एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगा प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन

प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअली शिलान्यास, एक वर्ष में बदल जाएगा रेलवे स्टेशन का स्वरुप

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाने का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वर्चुअली शिलान्यास आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर दिया। इस रेलवे स्टेषन के निर्माण में एक वर्ष का समय लगने की संभावना है। आज रेलवे स्टेषन के बाहर बने एक बडे.पण्डाल में मुख्य अतिथि के रुप में आए भाजपा सांसद संगम लाल गुप्ता ने आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस रेलवे स्टेषन के कायाकल्प हो जाने के बाद प्रतापगढ़ का स्वरुप बदल जाएगा।

मोदी का सीधा प्रसारण देखने के लिए एक पांडाल बनाया गया था जिसमें सांसद, विधायक, नेता, अधिकारी, कर्मचारी और लोगों की भीड़ जमा थी। पीएम मोदी ने आधरशिला के लिए बटन दबाई तो समूचा पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। भीड़ ने टीवी पर बोल रहे पीएम मोदी को सुना। जिसमें वे कह रहे थे कि योजना में शामिल रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प होगा। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। सरकार का लक्ष्य सुलभ यात्रा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद संगम लाल गुप्ता ने कहा कि भंगवा चुंगी से मालगोदाम रोड पर बनने वाले ओवर ब्रिज का निर्माण जल्द शुरू होने वाला है। स्टेशन का नाम बदलने के सवाल पर उन्होंने साफ किया कि रेल मंत्रालय ने मां बेल्हा देवी के नाम से प्रतापगढ़ स्टेशन का नोटिफिकेशन किया है। रेलमंत्री आएंगे और वही पर नाम को लेकर सारी चीजें साफ कर देंगे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त स्कूली बच्चों को पुरस्कार दिया गया, जिसमें मार्डन साइंस कालेज के छात्र ईशान शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम, श्याम सुंदर टाऊ, विवेक उपाध्याय, मेंस यूनियन के मंत्री अनिल शुक्ला, शिवानीम ातनहे लिया, आरपीएफ, जीआरपी, क्षेत्राधिकारी नगर करिष्मा गुप्ता, रोषन लाल उमरवैष्य, ओम प्रकाष पाण्डेय गुड्डू, एडीईएन समेत रेलवे के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन मेंस यूनियन के उपाध्यक्ष मोहम्मद अनीश ने किया। यह कार्यक्रम पूर्वान्ह नौ बजे घोषित था लेकिन वर्षा के कारण दस बजे से शुरू हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगभग वर्चुअली स्टेषन का षिलान्यास किया तो धन्यवाद मोदी जी का पोस्टर लहराने लगे।

रेलवे स्टेशन के शिलान्यास का शिलापट्ट खोलते सांसद, विधायक।

प्रधानमंत्री का भाषण सुनते भाजपा नेता।

साल भर में बदल जाएगी स्टेशन की सूरत

प्रतापगढ़। प्रस्तावित प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन में अब दो मुख्य द्वार होगा। पूर्वी छोर पर एक ओर मुख्य द्वार आरक्षण काउंटर के साथ सकुर्लेटिंग एरिया और पश्चिमी छोर पर नए स्टेशन भवन का निर्माण सकुर्लेटिंग एरिया में चौड़ी सड़कें और 12 मीटर चैड़ी फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा। अधिकारियों की मानें तो साल भर में इस स्टेशन की सूरत बदल जाएगी।

अग्रहरी समाज की बैठक में मौजूद नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण।

अग्रहरी समाज के अध्यक्ष उमाप्रकाश व शीतला सुजान महामंत्री चुने गए

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अग्रहरी समाज कल्याण समिति की एक आवश्यक बैठक राजापाल चैराहा के निकट हीरा काम्प्लेक्स में समाज के संरक्षक रमाशंकर अग्रहरि की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष रहे केपी गुप्ता द्वारा अपने पद से दिए गए इस्तीफा पर विचारोंपरांत कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से व्यापारी नेता उमा प्रकाश अग्रहरी को अध्यक्ष तथा जिले के वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार शीतला प्रसाद अग्रहरि सुजान को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। कमेटी का त्वरित विस्तार करते हुए नीरज अग्रहरि गुड्डू को उपाध्यक्ष व विनय कुमार अग्रहरी को उपमंत्री बनाया गया। इसके साथ ही रमाशंकर अग्रहरि, केपी गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रहरि, अशोक वैश्य तथा आर बी अग्रहरि को समिति का संरक्षक बनाया गया। देर रात्रि तक चली बैठक में अग्रहरि समाज के उत्थान एवं आगामी 17 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन की जयंती समारोह आयोजन को भव्यता के साथ मनाए जाने को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ। बैठक में राष्ट्रीय तलवारबाज निहाल अग्रहरि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इसके साथ ही मुन्ना लाल अग्रहरि, विजय कुमार गुप्ता एडवोकेट, रमेश चंद्र अग्रहरि, सौरभ अग्रहरि, विनय गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

बाल साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित साहित्यकारगण।

रामानुज त्रिपाठी स्मृति बाल साहित्य रत्न सम्मान से अलंकृत हुए डॉ० दयाराम मौर्य

साहित्यकारों व जनप्रतिनिधियो ने दी बधाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। साहित्य कला संवर्धन न्यास सुलतानपुर द्वारा बाल साहित्य के उत्थान तथा विशाल बहुमुखी साहित्य विकास में उल्लेखनीय अवदान के लिए लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार डॉ० दयाराम मौर्य रत्न को प्रतिष्ठित रामानुज त्रिपाठी स्मृति बाल साहित्य रत्न सम्मान से रणबीर राजकुमार इंटर कालेज वरवारीपुर सुलतानपुर सभागार में अलंकृत किया गया।

इस अवसर पर आयोजित विराट साहित्यिक समारोह में साहित्य भूषण डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय श्साहित्येन्दुश , सरस्वती पुरस्कार अलंकृत डॉ. ओंकार नाथ द्विवेदी तथा राष्ट्रीय पत्रिका कथा संवेत के संपादक डॉ. शोभनाथ शुक्ल ने अलंकृत किया गया। इस अवसर पर डॉ० रत्न का जीवन वृत्त भी पढ़ा गया। पूर्व में भी डॉ० रत्न को महाकाव्य , अवधी भाषा तथा बालसाहित्य के उत्कृष्ट लेखन हेतु उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने पुरस्कृत किया है। इस उपलब्धि पर एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अन्तर्राष्ट्रीय निदेशक रोशनलाल ऊमरवैश्य, अम्मा साहेब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनंद मोहन ओझा, विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य, राधेश्याम दीवाना, श्रीनाथ मौर्य सरस, प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम, कुंज बिहारी लाल मौर्य काकाश्री, अनिल कुमार निलय, राकेश कनौजिया आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

उपजा का नया नाम होगा नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स

24 अगस्त को जयपुर में होगा अधिवेशन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। उपजा की आपात बैठक बृजेन्द्र सिंह बबलू के संयोजन में व जिलाध्यक्ष अखिल नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक का संचालन उपाध्यक्ष अमित शुक्ल ने किया। बैठक में एन. यू. जे. के प्रांतीय संयोजक मंडल के सदस्य संतोष भगवन ने बताया कि प्रदेश में उपजा पिछले दो दशक से कई गुटों में विभाजित हो गई है, जिसे देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने सभी गुटों को एक करने हेतु एक संयोजक मंडल प्रमोद गोस्वामी के नेतृत्व में बनाया है।

उन्होंने कहा कि सभी गुटों की सहमति के बाद अब उपजा से यह संबद्धता समाप्त कर दी गई है और नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश के नाम से संगठन काम करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंटरनेशनल फेडरेशन आफ जर्नलिस्ट्स से संबद्ध है प्रतापगढ़ की उपजा शाखा के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से उपरोक्त प्रस्ताव का स्वागत करते हुए निर्णय लिया कि अब उपजा प्रतापगढ़ के स्थान पर एन.यू.जे.आई.उत्तर प्रदेश शाखा प्रतापगढ़ के नाम से संगठन का संचालन होगा सदस्यता अभियान व चुनाव होने तक अखिल नारायण सिंह की अध्यक्षता वाली संपूर्ण कार्यकारिणी कार्य करती रहेगी कोषाध्यक्ष हरिनाथ मिश्रा के निधन से रिक्त पद पर अमित शुक्ला को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष बनाया गया। प्रांतीय संयोजक मंडल के सदस्य हरीश सैनी ने जयपुर में आयोजित दो वार्षिक सम्मेलन के बारे में जानकारी दी व प्रतापगढ़ से सदस्यों के सहभागिता की अपील की। जिला कार्यकारिणी के संरक्षक गण राजेंद्र ओझा श्याम सुंदर शर्मा आर बी सिंह, चंद्रेश बहादुर सिंह की उपस्थिति रही। इसके अलावा बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों में बृजेंद्र सिंह बबलू, अरूण श्रीवास्तव, जौवाद अली, सलमान खान, संतोष पाण्डेय, ताज मोहम्मद, दोस्त मोहम्मद, रफीक अहमद, अंजनी कुमार मिश्र, राजेंद्र कुमार, गिरीश पाण्डेय, धीरेंद्र कुमार तिवारी, ओम प्रकाश गुप्त, सौरभ शर्मा, अनिल पाण्डेय विद्यार्थी, अब्दुल अतीक, पंकज केसरवानी व अमित शुक्ल की उपस्थिति रही। संगठन मंत्री बृजेन्द्र सिंह बबलू ने बताया कि आगामी 24 अगस्त को जयपुर के अधिवेशन में जाने वाले कुल सदस्यों की संख्या चैदह हो गई है जिनका रिजर्वेशन करवाया जा चुका है।

उपजा की बैठक में मौजूद पदाधिकारीगण।

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि अर्हता तिथि 01.04.2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और पुनरीक्षण पूर्व की जाने वाली कार्यवाहियों का उल्लेख किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों का सम्भाजन अधिकतम 1500 मतदाताओं के आधार पर कराने के निर्देश दिये गये है। मतदेय स्थल बनाने हेतु भवनों का चयन, पुनर्निर्धारण तथा भवनों का भौतिक सत्यापन का कार्य सम्बन्धित ई0आर0ओ0/ए0ई0आर0ओ0 द्वारा करा लिया गया है। मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन के पश्चात तैयार किये गये मतदेय स्थलों के प्रस्ताव के सम्बन्ध में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ दिनांक 07 अगस्त 2023 को अपरान्ह 01 बजे एन0आई0सी0 प्रतापगढ़ में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी है।

25 अगस्त तक होगी 619 ग्राम पंचायतों में किसान पाठशोला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में दि मिलियन फार्मर्स स्कूल (किसान पाठशाला) दो द्विवसीय ग्राम पंचायत स्तरीय गोष्ठी/किसान पाठशाला का आयोजन जनपद के कुल 619 ग्राम पंचायतों में 07 अगस्त से 25 अगस्त 2023 तक किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत दो दिवस के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में श्री अन्न का महत्व, पोषकता, वर्गीकरण, उत्पादन, तकनीकी, प्रसंस्करण की जानकारी दी जायेगी तथा द्वितीय सत्र खरीफ में फसलोत्पादन के अन्तर्गत प्राकृतिक खेती के अवयक, प्राकृतिक खेती के सिद्धान्त, धान की सीधी बुआई, दलहन, तिलहन एवं सब्जी उत्पादन की जानकारी दी जायेगी। इसी प्रकार द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं अनुमन्य सुविधाओं तथा सम्वर्गीय विभागों (उद्यान, पशुपालन, मत्स्य एवं मण्डी परिषद) की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं अनुमन्य सुविधाओं का प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा द्वितीय सत्र में पराली प्रबन्धन एवं कृषक उत्पादक संगठन पर विस्तृत जानकारी दी जायेगी। किसान पाठशाला के आयोजन हेतु निर्धारित समय अपरान्ह 2.30 बजे से अपरान्ह 5.30 बजे तक कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा नवीनतम तकनीकी एवं विभागीय योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी दी जायेगी ताकि कृषक भाईयों द्वारा कृषि क्षेत्र में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सके।

स्कूल से लालगंज जा रहे गुरु जी को बाइक सवार युवकों ने पीटा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्कूल से लालगंज जा रहे गुरु जी को बाइक सवार युवकों ने किसी बात को लेकर पिटाई कर दी।पीड़ित ने तीन अज्ञात युवकों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी है।पुलिस ने

तीन अज्ञात के विरुद्ध पुलिस को दी तहरीर, बर्मा नगर के पास की है घटना

जांच के बाद मामले में कार्रवाई का भरोसा दिया है।

स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के रानीगंज कैथौला के मधुकरपुर स्थिति एक स्कूल के एक अध्यापक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह दोपहर बाद लालगंज जा रहा था,जैसे ही लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग स्थिति बर्मा नगर के पास पहुंचा की दो बाइक से तीन लोग मेरी बाइक के साथ-साथ चलने लगे। मैं जब तक कुछ समझ पाता की एक युवक चलती बाइक पर से ही बेल्ट से पिटाई शुरू कर दी।कुछ दूर के बाद तीनों लोगो ने मुझे रोक कर खुब जमकर मारा-पीटा। पीड़ित जब बदमाश युवकों के चंगुल से मुक्त हुआ तो कोतवाली पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी। मामला अध्यापक से जुड़ा होने के कारण पुलिस भी बदमाश युवकों का सुराग लगाने के साथ ही घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए जांच में जुट गई। इस संबंध में पुलिस का कहना है की तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। घटना सही पाई जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता की मौत, परिजनों में कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर बाजार में अचानक बाइक से गिरने से विवाहिता की मौत हो गयी। लालगंज के बाबूगंज धमनी का पुरवा निवासी पंकज जायसवाल की पत्नी पुष्पा (23) रविवार को दोपहर अपने भाई शिवम जायसवाल के साथ बाइक से दवा कराने सैठा बाजार जा रही थी। बाइक पर मृतका की पड़ोसिन उर्मिला यादव (50) भी बैठी थी। सांगीपुर बाजार में इलाहाबाद बैंक के पास अचानक चक्कर खाकर पुष्पा बाइक से गिर गई। इससे बाइक अनियंत्रित हो गई। साथ में बैठी उर्मिला भी घायल हो गयी। बहन को अचेत देख भाई शिवम एक नजदीक क्लीनिक पर पहुंचा। यहां के बाद वह सांगीपुर सीएचसी पुष्पा को लेकर पहुंचा। अस्पताल में चिकित्सों ने पुष्पा को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया।

मेरी माटी मेरा देश अभियान को लेकर बैठक आज

प्रतापगढ़। जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद ने बताया है कि मेरी माटी मेरा देश अभियान की कार्य योजना/रूपरेखा तैयार करने एवं कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पादित किये जाने हेतु 07 अगस्त 2023 को अपरान्ह 4 बजे विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक की जायेगी।

जनपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक कल

प्रतापगढ़। जनपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक 08 अगस्त 2023 को अधिशासी अभियन्ता/सचिव सिंचाई बन्धु की अध्यक्षता मे पूर्वान्ह 11 बजे शारदा सहायक खण्ड-51 प्रतापगढ़ पिम हाल सभागार में आयोजित की गयी है। सिंचाई बन्धु की बैठक में कृषक एवं जनप्रतिनिधि समय से प्रतिभाग करें।

जगत के कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण का हुआ मंगलमय अवतारः साध्वी शिवानी

घुइसरनाथ धाम में कथा के दौरान श्रद्वालुओं ने किया आरती पूजन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को व्यास पीठ से रूकमणि विवाह का प्रसंग सुन श्रद्वालु भाव विभोर हो उठे। कथा व्यास साध्वी शिवानी तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की हर लीला जगत के कल्याण के निमित्त हुई है। उन्होने कहा कि भगवान सदैव प्राणी को सदकर्म तथा सत्संग का पुण्य फल दिया करते है। साध्वी शिवानी ने कहा कि संसार को कल्याण तथा मंगल प्रदान करने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने सत्यधर्म को ही आगे बढ़ाया। उन्होने कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने मात्र से मनुष्य के पाप का हरण हो जाता है। उन्होने श्रद्वालुओं को सदैव भगवान के प्रति आस्था और विश्वास को मजबूत बनाये रखने का भी सार समझाया। कथा में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन लखनऊ के पूर्व महामंत्री पं0 राम सेवक त्रिपाठी व समाजसेविका सरला त्रिपाठी ने व्यासपीठ का वैदिक पूजा अर्चन किया। सहसयोजक पप्पू तिवारी ने कथा व्यास शिवानी जी का श्री अभिषेक किया। इस मौके पर पं0 दिनेश शास्त्री, पं0 सोनू दुबे, आचार्य योगेशजी, आचार्य धीरेन्द्र तिवारी, विपिन तिवारी, पंकज पाण्डेय, दीपेन्द तिवारी, पं0 वीरेन्द्र मणि तिवारी, विपिन शुक्ला, राधे पाण्डेय आदि रहे। इधर नगर के घुइसरनाथ रोड पर हो रही श्रीमद भागवत कथा में भागवत भूषण पं0 विनय शुक्ल ने श्रद्वालुओं को कथा का महत्व समझाते हुए कहा कि भगवान सदैव अपने भक्त का कल्याण किया करते है। कथा का संयोजन सुरेन्द्र कुमार ने करते हुए व्यासपीठ का पूजन किया। इस मौके पर सभासद पन्ने लाल पाल, वरिष्ठ अधिवक्ता देवी प्रसाद मिश्र, पूर्व प्रधान आदर्श मिश्र, सुमित त्रिपाठी, मनोज त्रिपाठी, विकास मिश्र, सिल्लू मिश्र, रामलखन जायसवाल आदि रहे।

दिव्यांगजन शिविरों में पहुॅचकर कराएं पंजीयन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण वितरण योजनान्तर्गत दिव्यांगों को सहायक उपकरण यथा ट्राईसाइकिल, कान की मशीन, व्हीलचेयर, वैशाखी, ब्लाइन्ड स्टिक आदि में आनलाइन आवेदन लाभार्थियों के चिन्हांकन हेतु शिविर का आयोजन विकास खण्डवार 07 अगस्त से 29 अगस्त तक किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण के लाभार्थियों के चिन्हांकन हेतु शिविर का आयोजन पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक विकास खण्ड आसपुर देवसरा में 07 अगस्त, पट्टी में 08 अगस्त, मंगरौरा में 09 अगस्त, बाबा बेलखरनाथधाम में 10 अगस्त, शिवगढ़ में 11 अगस्त, गौरा में 14 अगस्त, सदर में 16 अगस्त, सण्ड़वा चन्द्रिका में 17 अगस्त, मानधाता में 18 अगस्त, लक्ष्मणपुर में 21 अगस्त, लालगंज में 22 अगस्त, सांगीपुर में 23 अगस्त, रामपुर संग्रामगढ़ में 24 अगस्त, बाबागंज में 25 अगस्त, कालाकांकर में 26 अगस्त, बिहार में 28 अगस्त एवं विकास खण्ड कुण्डा में 29 अगस्त को किया जायेगा। उन्होने कहा है कि शासन की मंशानुरूप अधिक से अधिक दिव्यांगजन कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण का लाभ उठाएं।

छात्र/छात्राएं 10 अक्टूबर तक करें आनलाइन आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2023-24 में पूर्वदशम-छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 9-10) की कक्षाओं से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों को मास्टर डाटाबेस तैयार करने, छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन से छात्रवृत्ति वितरण हेतु समय सारिणी जारी की गयी है। उन्होने बताया है कि छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 9-10 के छात्र/छात्रायें 10 अगस्त से 10 अक्टूबर तक आनलाइन आवेदन कर सकते है। दिनांक 14 अगस्त से 17 अक्टूबर तक छात्र/छात्रा द्वारा आनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र/छात्रा के समस्त विवरण का विद्यालय द्वारा मिलान किया जायेगा एवं आनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। 01 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2023 तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा शुद्ध एवं संदेहास्पद डाटा के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना एवं छात्रों को छात्रवृत्ति स्वीकृति करना तथा जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से शुद्ध डाटा लॉक किया जायेगा। उन्होने यह भी बताया कि 07 अगस्त से 08 सितम्बर 2023 तक प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने लिये आनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित किया जायेगा। 08 अगस्त से 15 सितम्बर 2023 तक सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उनकी अधिकारिता में आने वाले समस्त विद्यालयों को मान्यता एवं स्वीकृत सीटों की संख्या की प्रमाणिकता को शत-प्रतिशत आनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित किया जायेगा।

बेनी प्रसाद सोमवंशी महाविद्यालय को मिली बीएड में मान्यता

पट्टी, प्रतापगढ़। शिक्षक बनने की चाहत रखने वाले अभ्यर्थियों को अब बीएड कोर्स के लिए दूर दराज के क्षेत्र में नही जाना होगा। पट्टी तहसील के भरोखन स्थित बेनी प्रसाद सिंह सोमवंशी महाविद्यालय में इसी वर्ष से 100 सीटो पर डाक्टर राम मनोहर लोहिया यूनिवर्सिटी की तरफ से बीएड की मान्यता मिल गयी है। उक्त जानकारी विद्यालय के प्रबंधक दयाभान सिंह पप्पू सिंह ने दी है।

कुसुम सिंह के निधन पर प्रमोद व मोना हुए दुखी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शीतलमऊ निवासी समाजसेवी नरसिह बहादुर सिह की पत्नी कुसुम सिंह (71) का रविवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। वह लालगंज के पूर्व प्रमुख स्व0 सूबेदार देवेन्द्र सिंह की माँ भी थी। निधन की जानकारी मिलने पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधान मडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने परिजनों से फोनिक वार्ता कर संवेदना जताई।

सांसद प्रमोद तिवारी की ओर से प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने आवास पर पहुंचकर स्व0 कुसुम सिंह के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर पुष्पाजंलि अर्पित की। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने भी कुसुम के निधन पर दुख जताया है। वही लालगंज प्रमुख इं0 अमित प्रताप सिंह पंकज , सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी , मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष बीएन सिंह, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, पवन शुक्ला, सभासद दारा सिंह, सभासद शेरू खां, सभासद संजय सिंह, सभासद आशीष कौशल, पूर्व प्रधान अमर बहादुर सिंह, राकेश पाण्डेय , संतोष सिंह, डॉ0 आरबी सिंह, श्रीकृष्ण तिवारी, आचार्य शिवमूर्ति शास्त्री, व्यापार मडल अध्यक्ष उदय शंकर दुबे, डॉ0 रमाशंकर शुक्ल, गीता सिंह, कुंवर रवीन्द्र सिंह, प्रीतेन्द्र ओझा, ऊधम सिंह, अमीन संघ के अध्यक्ष आशुतोष सिंह, झुन्ना तिवारी, मनीष सिंह, सुधीर मिश्रा, मनोज सिह, दान बहादुर सिह भोला आदि ने भी शोक संवेदना प्रकट की।

खबर संक्षेप

शराब के विरुद्ध थाना पुलिस ने चलाया अभियान

कौशाम्बी। शराब निर्माण के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना पुलिस ने अभियान चलाया इस अभियान के दौरान तीन थाना पुलिस ने 35 लीटर अवैध शराब के साथ शराब बनाने के उपकरण के साथ 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है विधिक कार्यवाही के पश्चात चालान न्यायालय किया पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक करारी थाना के छिमिरछा निवासी बृजेश से 10 लीटर शराब और उपकरण करारी पुलिस ने बरामद किया है टिकरा महेवाघाट की माधुरी निषाद से 10 लीटर शराब और उपकरण महेवाघाट थाना पुलिस ने बरामद किया है तथा सिपाह कड़ाधाम के राम आसरे से 15 लीटर शराब और उपकरण कड़ा धाम पुलिस ने बरामद किया है।

इंडेन गैस एजेंसी के शो रूम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

मौके पर पहुंची डायल 112 और अग्निशमन दल आग लगने से पांच लाख रुपए का हुआ नुकसान

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी कस्बे में कौशाम्बी इंडेन गैस सर्विस के शो रूम आफिस में रविवार की भोर में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई,आग लगने से धुंआ उठता देख मॉर्निंग वॉक करने वालो ने एजेंसी मालिक को फोन से सूचना दी,सूचना के बाद एजेंसी पहुंचे लोगो ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया,आगजनी में एजेंसी के शो रूम आफिस में लगे हुए इन्वर्टर और बैटरी में ब्लास्ट हो गया,हालांकि सीज फायर के माध्यम से आग पर काबू पा लिया गया,हादसे में सारे कम्प्यूटर फर्नीचर सोफा सेट मेज कुर्सी फॉल सीलिंग कागज फाइल शो केस सीसीटीवी कैमरा सहित लगभग 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे के सेवा सदन अस्पताल के पास कौशाम्बी इंडेन गैस सर्विस के नाम से गैस एजेंसी का शो रूम आफिस है,रविवार को भोर में लगभग 5.30 बजे एजेंसी से धुंआ उठता देख मॉर्निंग वॉक पर और बेलपत्र की पत्तियां लेने के लिए निकली महिलाओं ने एजेंसी मालिक गौरव केशरवानी को सूचना दी। शोरूम के ऊपर

एजेंसी मालिक का आवास है उसी में सभी लोग रहते हैं आग लगने की सूचना मिलते ही गौरव केशरवानी नीचे आये और एजेंसी मालिक ने तत्काल 112 डायल पुलिस को सूचना दी उसके बाद अग्निशमन दल मंझनपुर को सूचना दी गयी भरवारी पुलिस चौकी को सूचना दी गई लेकिन मौके पर स्थानीय नागरिकों के अलावा आग बुझाने कोई नहीं पहुँचा भरवारी पुलिस भी मौके पर नहीं पहुंच सकी एजेंसी मालिक ने अग्निशमन यंत्र से बचाव किया लेकिन तब तक सब कुछ जलकर खाक हो गया था मंझनपुर से अग्निशमन दल भी पहुंचा और बचाव एवं राहत में लग गया समय रहते सूचना मिल जाने से बड़ी घटना होने से बच गई।

लाखों की आबादी में नहीं स्थापित हुआ अग्निशमन कार्यालय

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी में लाखों की आबादी है लेकिन सुरक्षा के इंतजाम सरकार की ओर से नहीं किए गए हैं जिससे अग्निकांड की घटनाओं में मंझनपुर और सिराथू से अग्निशमन दल को भरवारी आना पड़ता है जिससे आने-जाने में समय लगता है और अग्निकांड की घटना में तब तक अग्निशमन दल के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचते हैं तब तक सब कुछ जलकर खाक हो जाता है स्थानीय लोगों ने पहले भी कई बार भरवारी में अग्निशमन दल का कार्यालय स्थापित करने की मांग की थी और फिर नगर वासियों ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से भरवारी में अग्निशमन कार्यालय खोले जाने की मांग की है।

आवारा पशु किसानों की फसलें कर रहे बर्बाद

महेवाघाट कौशाम्बी। सरकार एक तरफ आवारा पशुओं की रोक लगाने का बार-बार निर्देश अधिकारियों को दे रही है लेकिन जिले के विभागीय अधिकारी योगी सरकार का निर्देश मानने को तैयार नहीं है कौशांबी में चारों तरफ खुलेआम आवारा पशु घूम रहे हैं और किसानों की फसल बर्बाद कर रहे हैं नगर गांव कस्बा में खूंखार आवारा पशु के विचरण करने से आम जनमानस भयभीत है लेकिन उसके बाद भी आवारा पशुओं पर रोक लगाती नहीं दिख रही है। मंझनपुर तहसील के ग्राम सभा अलवारा में मवेशियों द्वारा किसानों की खड़ी फसल को बर्बाद किया जा रहा है जिससे किसान रात दिन खेत की रखवाली करते रहते हैं और उनको जहरीले जंतुओं के काटने का भय बना रहता है.. गांव के ही किसान भैया लाल मौर्य गया प्रसाद मौर्य सुरेश मौर्य दिनेश शिवसागर अशोक फूल सिंह देव मूरत नमो नारायण आदि किसानों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आवारा पशुओं पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

नगर पालिका भरवारी अध्यक्ष की बैठक में शामिल नहीं हुए भाजपा के सभासद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी में अभी अध्यक्ष को चुने हुए तीन महीने भी नही हुए है कि नगर पालिका में सभासदों की बगावत शुरू हो गयी है। अध्यक्ष व सभासदों के बीच खींचतान दिखाई पड़ने लगी है शनिवार को नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी ने ने ईओ सुनील मिश्रा के साथ नगर पालिका कार्यालय में सभी 25 वार्डों के सभासदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में तो अन्य दल सहित निर्दलीय सभासद सम्मिलित हुए लेकिन भाजपा के निर्वाचित सभासदों सहित कुछ अन्य सभासदो ने बैठक में शामिल न होकर बैठक का विरोध किया भाजपा के सभासदों ने नगर पालिका अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष कुछ चुनिंदा लोगों को साथ में लेकर

सभासदों ने मनमानी का आरोप लगाते हुए किया विरोध

चलती है और मनमाने ढंग से वार्डों का निरिक्षण कर सिर्फ सोशल मीडिया में रहती है। जबकि धरातल में वार्डों की स्थिति बीते तीन महीनों में बिल्कुल नही सुधरी है बल्कि और अधिक बिगड़ गई है। भाजपा के वार्ड नम्बर 12 के सभासद सूरज यादव ने कहा कि अध्यक्ष बिना बोर्ड की बैठक के ही आरओ पानी के डिब्बे का जल मूल्य सीधे 10 रुपए लेकर 25 रुपए कर दिया। इसके अलावा नगर पालिका अध्यक्ष एक लाख रुपए तक के काम बिना टेंडर के करवा रही है उन्होंने अध्यक्ष पर मनमानी का आरोप लगाया है। भाजपा के वार्ड नम्बर छः के सभासद शंकर लाल केसरवानी का कहना है कि नगर में जब लाइट चली जाती थी तो पूरे नगर की स्ट्रीट लाइटें जनरेटर से जलाई जाती थी। आज अध्यक्ष की मनमानी के चलते नगर पालिका की स्ट्रीट लाइटें विधुत लाइट जाने के बाद जनरेटर से नही चलती है। बैठक में सभासद सूरज यादव, शंकर लाल केसरवानी, शानू? कुशवाहा, सभासद प्रतिनिधि विराट गुप्ता, सुरेन्द्र पटेल, पंकज मौर्य सहित कई सभासद सम्मिलित नही हुए पूरे मामले में नगर पालिका अध्यक्ष कविता पासी का कहना है? कि बोर्ड की बैठक वर्ष में एक बार ही होती है। शनिवार को ईओ के साथ सभी सभासदों की औपचारिक बैठक थी। कुछ सभासद बैठक में सम्मिलित नही हुए है। उन्हें सूचना भी दी गयी थी। पता किया जायेगा कि आखिर क्यों सभासद बैठक में शामिल नही हुए,विरोध की बात गलत है।

सीओ ने दिए गुणवत्तापरक विवेचना के निर्देश

कौशाम्बी। क्षेत्राधिकारी मंझनपुर द्वारा थाना पश्चिम शरीरा के सभी विवेचकों का अर्दली रूम किया गया तथा विवेचनाओं के गुणवत्तापरक और समयबद्ध निस्तारण व चलाये जा रहे अभियान के तहत आईजीआरएस शिकायतों के निवारण के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।

170 वाहनों पर पुलिस ने की कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशांबी के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दृष्टिगत 170 दो पहिया चार पहिया वाहनों पर कार्यवाही की गई है और वाहन चालको को निर्देशित किया गया कि वह अभिलेखों को लेकर साथ में चलें और कानून का पालन करें।

कृषि विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में लगायी गई कृषि प्रदर्शनी

कस्टम हायरिंग सेन्टर के लाभार्थियों को 04-04 लाख अनुदान का डमी चेक एवं फार्म मशीनरी बैंक योजना के लाभार्थियों को ट्रैक्टर की चाभी वितरित

अखंड भारत संदेश

कृषि प्रदर्शनी किसान मेला का सांसद विनोद सोनकर ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

कौशाम्बी। कृषि विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में लगायी गई कृषि प्रदर्शनी किसान मेला का फीता काटकर सांसद विनोद सोनकर ने शुभारम्भ किया तथा स्टॉलों का अवलोकन करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि किसानों को विभागीय योजनाओ से शत-प्रतिशत लाभान्वित किया जाय। उदयन सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर सांसद ने शुभारम्भ किया उन्होंने कस्टम हायरिंग सेन्टर को स्थापित करने वाले लाभार्थियों शिवभारत सिंह लालता प्रसाद श्याम सुन्दर व धर्मेन्द्र सिंह को रू0 04-04 लाख अनुदान का डमी चेक एवं फार्म मशीनरी बैंक योजना के तहत पिपरकुण्डी सहकारी समिति व कृषक उत्पादक संगठन औद्यानिक विपणन सहकारी समिति लि0 गिरधरपुरगढ़ी को ट्रैक्टर की चाभी तथा किसानों को मोटे अनाज बीज की मिनी किट वितरित किया।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही अनेक जनकल्याणकारी योजनायें उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना आदि संचालित करने के साथ ही कृषि एवं कृषकों के कल्याण के लिए भी अनेक योजनायें संचालित किया। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति, उन्नत बीज एवं खाद आदि उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि एवं किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए निरन्तर प्रयास किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि यह देश कृषि व ऋषि परम्परा का देश है। कृषि के विकास के बिना देश का विकास नहीं हो सकता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में किसानों के ऋण माफ करने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रू0 ऋण माफ किया गया केन्द्र व प्रदेश सरकार अनेक योजनायें कार्यक्रम प्रारम्भ करके किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम में कृषि विज्ञान केन्द्र का मिनी रूप प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र खोला जा रहा है। जनपद कौशाम्बी में 121 किसान समृद्धि केन्द्र खोले जा चुकें है। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र पर खाद, बीज, कीटनाशक दवायें, किसानों को प्रशिक्षण, किसानों की समस्याओं का समाधान, मृदा परीक्षण, पीएम सम्मान निधि का पंजीकरण, तकनीकी सलाह एवं किराये पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने आदि सुविधायें उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि जहॉ एक ओर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का चहुँमुखी विकास हो रहा है, वहीं दूसरी ओर कृषि एवं किसानों के कल्याण के लिए भी कार्य किया जा रहा है सासंद ने कहा कि गृह मंत्री के नेतृत्व में सहकारिता में आमूल-चूक परिवर्तन होने जा रहा हैं, सहकारिता विभाग विकास की नई गाथा लिखेंगा। सहकारिता देश की आत्मा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में सहकारिता का गठन करके गांव के समृद्धि का कार्य किया जायेंगा। सहकारिता के माध्यम से किसानों को देश के किसी भी कोने या विदेश से उन्नत बीज उपलब्ध कराया जायेंगा। सहकारिता किसानों से जैविक खाद खरीदकर देश व दुनिया में बेचने का कार्य करेंगा, जिसका लाभ किसानां को मिलेंगा। जनपद कौशाम्बी में पैदा होने वाले अमरूद एवं केला के किसानां को सहकारिता के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराने का कार्य किया जायेंगा। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि एवं किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि रूस एवं यूक्रेन में युद्ध के कारण देश व दुनियॉ में पेट्रोलियम उत्पादों का दाम बढ़ा है। केन्द्र सरकार किसानों पर बोझ न बढ़ाकर सरकारी खाते पर बोझ बढ़ाकर अर्थात सब्सिडी देकर कम कीमत पर किसानां को यूरिया एवं डीएपी उपलब्ध करा रहीं है, जबकि पाकिस्तान, बांगलादेश एवं अमेरिका में भारत से कई गुना कीमत पर यूरिया एवं डीएपी वहां के किसानां को दिया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में अथसराय में रैक प्वाइंट बनकर तैयार है, शीघ्र ही प्रारम्भ हो जायेंगा, इससे किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो सकेंगा, इसके साथ ही हजारो मजदूरो को भी काम मिलेंगा।

उन्होंने किसानों से कहा कि नई तकनीकों अनुसंधान एवं नैनो यूरिया व नैनो डीएपी का उपयोग करें, इससे कृषि की लागत कम होगी तथा भूगर्भ जल भी प्रदूषित नहीं होंगा। उन्हांने कहा कि श्री अन्न (मोटे अनाज) के उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाय, मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के उपज की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषि के उन्नत तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं जिला उद्यान अधिकारी ने भी किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी तथा किसानों की समस्याओं/ जिज्ञासाओं का समाधान किया ए-आर-कोआपरेटिव ने किसान समृद्धि केन्द्र के विषय में किसानों को विस्तृत जानकारी दी कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 अजय कुमार ने खरीफ में बाजरा, धान में खरपतवार नियन्त्रण के विषय में जानकारी दी तथा मृदा वैज्ञानिक डॉ0 मनोज कुमार सिंह ने मृदा में जीवांश पदार्थ एवं सूक्ष्म जीवाणुओं की महत्ता, नैनो यूरिया के फायदे के विषय में जानकारी दी। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ0 नवीन कुमार शर्मा ने बायोफोटीफाइड प्रजातियों के विषय में जानकारी प्रदान की।

अपने ही आदेश से बार-बार पलटी मारते रहे जिला पंचायत राज अधिकारी

अखंड भारत संदेश

एक सफाई कर्मी का चार बार एक गांव में स्थानांतरण किए जाने के पीछे डीपीआरओ की क्या थी मंशा

कौशाम्बी। जिला पंचायत राज अधिकारी बालगोविंद श्रीवास्तव का कार्यकाल बड़े विवादों से घिरा रहा हालाकी विवादित कार्य करने वाले जिला पंचायत राज अधिकारी बाल गोविंद श्रीवास्तव का स्थानांतरण प्रयागराज जनपद कर दिया गया है अपने ही आदेश को वह बार-बार पलटते रहे जिससे पूरे जिले की सफाई व्यवस्था चौपट रही इसके पीछे उनका क्या स्वार्थ छिपा था यह बड़ी जांच का विषय है या फिर किसी नेता की कठपुतली बनकर वह कार्य करते रहे जिससे योगी सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े होते रहे उनके पुराने कार्यों की पत्रावली को योगी सरकार ने संज्ञान लिया तो जिला पंचायत राज अधिकारी बाल गोविंद श्रीवास्तव की मुसीबत बढ़ना तय है। जिले के कौशांबी विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोइठा में तैनात सफाई कर्मी ननकू लाल के चार बार स्थानांतरण आदेश ने जिला पंचायत राज अधिकारी के कारनामों की कलई खोल दी है छोटे से कर्मचारी के आगे बार-बार झुक कर अपने आदेश को पलटने वाले अधिकारी कैसे एक जिम्मेदार अधिकारी के पद पर तैनात रहे यह भी जांच का विषय है गोइठा ग्राम पंचायत में तैनात सफाई कर्मी ननकू लाल के कार्य ना किए जाने की शिकायत पर उसे निलंबित करने के बजाय 7 जनवरी 2021 को जिला पंचायत राज अधिकारी ने उसे कड़ा विकासखंड के कनवार गांव में स्थानांतरित कर दिया लेकिन वहां भी ननकू लाल ने कार्य नहीं किया आधिकारी का आदेश मानने से उसने इंकार कर दिया फिर शिकायतें शुरू हुई ननकू लाल ने जिला पंचायत राज अधिकारी पर गोइठा गांव में स्थानांतरण करने का दबाव बनाया सफाई कर्मी के आगे जिला पंचायत राज अधिकारी झुक गए और 23 जुलाई 2022 को जिला पंचायत राज अधिकारी ने फिर आदेश जारी कर सफाई कर्मी ननकू लाल को ग्राम पंचायत कनवार से गोइठा गांव स्थानांतरित कर दिया अपने आदेश से वह पलट गए खेल यहीं नहीं खत्म हुआ 8 जून 2023 को सफाई कर्मी ननकू लाल को गोइठा गांव से कड़ा विकासखंड के त्रिलोकपुर ग्राम पंचायत फिर स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया गया लेकिन इस आदेश का भी पालन नहीं हो सका सफाई कर्मी मनमानी पर उतारू था जिला पंचायत राज अधिकारी के आदेश को मानने से उसने फिर इंकार कर दिया फिर जिला पंचायत राज अधिकारी पर दबाव बनाया गया दबाव के आगे फिर जिला पंचायत राज अधिकारी झुक गए और अपने आदेश के विपरीत 22 दिन बाद ही 30 जून 2023 को फिर गोइठा गांव से त्रिलोकपुर के स्थानांतरण आदेश को निरस्त करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी ने ननकू लाल सफाई कर्मी को गोइठा में काम करने की अनुमति दे दी है आखिर गोइठा गांव में ननकू लाल सफाई कर्मी का क्या रिश्ता है जिससे वह अधिकारियों के आदेश के बाद भी गांव की तैनाती नहीं छोड़ना चाहता है यह बड़ी जांच का विषय है वहीं जिला पंचायत राज अधिकारी के बार-बार आदेश से पलट जाने के मामले के चलते पूरी व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़ा हो रहा है चचाओं पर जाए तो इस तैनाती और स्थानांतरण आदेश के पीछे मोटी रकम की वसूली बार बार होती रही जो बड़ी जांच का विषय है।

भूल भुलैया की तरह राम वन गमन मार्ग की सड़क बनाकर बड़ा खेल खेलने में लगे अधिकारी!

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। योगी सरकार के कार्य योजनाओं पर पानी फेरने में मठाधीश अधिकारियों को तनिक भी शर्म संकोच और भय नहीं लग रहा है मनमानी तरीके से योजनाओं का संचालन कर कमीशन खोरी में अधिकारी मशगूल हैं ताजा मामला अयोध्या से चित्रकूट तक बनाए जाने वाले राम वन गमन मार्ग का है राम वन गमन मार्ग में कौशांबी जिले में पड़ने वाले क्षेत्र की सड़कों को भूलभुलैया बनाकर अधिकारी कुछ खास लोगों को मुआवजे के आड़ में करोड़ो का लाभ देने की योजना बना चुके हैं इस योजना के आड़ में राम वन गमन मार्ग के प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी भी मालामाल हो रहे हैं। बताया जाता है कि कौशांबी क्षेत्र में पड़ने वाले हिस्से की सड़क टेढ़ी-मेढ़ी बनाई गई हैं आने वाले दिनों में जो दुर्घटनाओं का भी कारण बनेगी एक गांव से दूसरे गांव को सीधा नहीं जोड़ा गया है बिना उद्देश्य के कहीं-कहीं तो गांव के बीच से सड़क निकालकर पूरे गांव को लाभ देने की योजना बना दी गई है जिसके आड़ में अधिकारियों की बड़ी कमीशन खोरी की बू आ रही है अरबों रुपए के इस प्रोजेक्ट को अधिकारियों ने कमाई का धंधा बना लिया है बताया जाता है कि श्रृंगवेरपुर से कुरई गंगा घाट होते हुए इस सड़क को धन्नी गांव की ओर मोड़कर फिर रोही चौराहा होते हुए परसरा गांव की ओर मोड़ दिया गया है जिससे यह सड़क टेढ़ी मेढ़ी और भूलभुलैया हो गई है इस सड़क को असवा गांव के बीचो-बीच से बनाकर पूरे गांव की आबादी को बर्बाद कर उन्हें मुआवजा देने का योजना बना ली गई है जबकि

अरबों रुपए के प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए कमीशन खोरी की आ रही बू

टेढ़ी-मेढ़ी सड़क से बढ़ेगी दुर्घटनाएं

कौशांबी। राम वन गमन मार्ग के प्रोजेक्ट को जिस तरह से बनाया जा रहा है इससे सड़को में जगह-जगह पर घुमाव होगा सड़के टेढ़ी-मेढ़ी होगी भूल भुलैया की तरह बनाई जा रही यह सड़क आने वाले दिनों में दुर्घटनाओं को बढ़ावा देंगी सड़क को सीधे बनाए जाने की जरूरत है लेकिन अधिकारियों ने सड़क को सीधी करने का प्रयास नहीं किया है बल्कि कुछ लोगों के दबाव में सड़क को टेढ़ी-मेढ़ी बनाने की योजना शुरू है जो बड़ा गंभीर चिंतन का विषय है।

गांव के बाहर से सड़क निकालने में सरकार को मुआवजे के रूप में भरपाई कम करनी पड़ती लेकिन अधिकारियों की सोची समझी साजिश के चलते सरकारी खजाने को बड़ी चपत लग रही है जो बड़ी जांच का विषय है बताया जाता है कि कथित भाजपाइयों को लाभ पहुंचाने की योजना अधिकारियों ने बनाई है आला अधिकारियों के साथ-साथ योगी सरकार को राम बनगमन मार्ग के प्रोजेक्ट को स्वत संज्ञान लेकर अधिकारियों की चापलूसी को बेनकाब करते हुए रामबन गमन मार्ग को भूल भुलैया की बजाए सीधे बनाए जाने की मांग जिले के नेताओं जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने की है।

हल्की बारिश में ही सड़क बनी तालाब जलाशय

अखंड भारत संदेश

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी। लाखों करोड़ों रुपए की रकम सरकारी खजाने से खर्च करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं बना सके हैं जबकि पूरे वर्ष जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए आए दिन मीटिंग और कार्य योजना बनाने का अधिकारी दम्भ भर रहे थे लेकिन हल्की बारिश में ही अधिकारियों के दंभ की पोल खुल गई है और सड़कें ताल तलैया बन गई हैं सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों को जहां आने जाने में दिक्कतें होती हैं वहीं सड़क का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है जिससे घर गिरने की प्रबल संभावनाएं हैं जिले की कई सड़कों की स्थिति इतनी खराब है कि सड़क पर निकलने के बाद कीचड़ युक्त गंदा पानी लोगों के शरीर पर पड़ता है आला अधिकारी और नेता तो लग्जरी वाहनों में शीशा

बंद कर ताल तलैया बनी सड़कों से फरार्टा भरते निकल जाते हैं जिसका खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ता है अधिकारियों और नेताओं के वाहनों के जलभराव की सड़क पर निकलने से सड़क का पानी फैल जाता है जिसके छींटे बाइक और साइकिल सवार के ऊपर पड़ते हैं यदि सड़क के बाहर कोई व्यक्ति घर या दुकान में बैठा है तो उसका कपड़ा कीचड़ युक्त पानी से भीग जाता है साइकिल बाइक सवार गंदे पानी से भीग जाते हैं लेकिन उसके बाद भी ताल तलैया बनी सड़कों में जल निकासी की व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्य योजनाएं नहीं बनाई जा रही हैं जिसका खामियाजा आम जनमानस भुगत रहा है तमाम माननीय बड़ी बड़ी डींग हाँकते हैं लेकिन जमीनी हकीकत उन्हें दिखाई नहीं पड़ रही है अधिकारियों की लापरवाही के चलते योगी सरकार की योजनाएं जमीनी हकीकत पर नहीं उतर पाती हैं केवल अभिलेखों में विकास कार्यों का ढिंढोरा पीट कर सरकार को गुमराह करने में अधिकारी लगे हैं। जिले में ताल तलैया बनी सड़कों में चायल तहसील के तिल्हापुर मोड़ नेवादा व्लाक के ग्राम सभा पेरई तिल्हापुर मोड़ मार्केट की सड़क का उदाहरण ही अधिकारियों के कारनामो को बेनकाब करने के लिए पर्याप्त है हल्की बारिश में ही यह सड़क ताल तलैया बन गई है नाली का पानी नहीं बह रहा है बल्कि नाली का पानी सड़कों पर एकत्रित हो गया है जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतें होती हैं कई बार शिकायत करने के बाद भी ग्राम प्रधान से लेकर आला अधिकारियों ने समस्या का समाधान करने का प्रयास नहीं शुरू किया है आम जनता की सुनवाई जिम्मेदार नहीं कर रहे हैं और ना ही जाम नालियों की सफाई करा रहे है सड़क पर गन्दा पानी भरने से लोग परेशान है इस सड़क की हालत इतनी खराब है कि सड़क से गुजरने के बाद कीचड़ युक्त पानी से भीगना ही पड़ेगा सड़क में जलभराव के मामले को यदि योगी सरकार ने गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय जांच कराई तो ग्राम प्रधान पंचायत सचिव खंड विकास अधिकारी समेत कई अधिकारियों पर गाज गिरना तय है।

संपादकीय

मित्रता का बीज बोएं, खुशियों का गुलदस्ता पाएं

एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाना और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाना है तो उनके लिये एक रिश्ता है दोस्ती का। मित्र, सखा, दोस्त, फ्रेंड, चाहे किसी भी नाम से पुकारो, दोस्त की कोई एक परिभाषा हो ही नहीं सकती। हमें तन्हाई का कोई साथी चाहिए, खुशियों का कोई राजदार चाहिए और गलती पर प्यार से डांटने-फटकराने वाला चाहिए । यदि यह सब खूबी किसी एक व्यक्ति में मिले तो नि:सन्देह ही वह आपका दोस्त होगा। वही दोस्त, जिसके रिश्ते में कोई स्वार्थ या छल-कपट नहीं बल्कि आपके हित, आपके विकास, आपकी खुशियों के लिये जिसमें सदैव एक तड़फ एवं आत्मीयता रहेगी।

इसी दोस्ती के नाजुक रिश्ते में खुशियों के रंग भरने के लिये फ्रेण्डशिप दिवस अगस्त माह के प्रथम परिवार को मनाया जाता है। यो तो भारतीय संस्कृति और इतिहास में त्योहारों की एक समृद्ध परम्परा है। किसी-न-किसी धर्म और सम्प्रदाय से जुड़कर वर्ष का हर दिन कोई-न-कोई पर्व, त्योहार या दिवस होता है। हमने फ्रेण्डशिप दिवस जैसे अनेक नये या आयात किये हुई पर्व एवं दिवसों को हमारी संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। फ्रेण्डशिप दिवस यानी मित्रता दिवस, सभी गिले-शिकवे भूल दोस्ती के रिश्ते को विश्वास, अपनत्व एवं सौहार्द की डोर से मजबूत करने का दिन।

मित्रता शब्द बड़ा व्यापक और मोहक है। कितना प्यारा शब्द है यह। तीन अक्षरों का एक शब्द समूचे संसार को अपने साथ समेट लेने वाला, दूसरों को, अनजान-अपरिचितों को, अपने निकट लाने वाला यह अचूक वशीकरण मंत्र है। मित्रता हमारी संस्कृति है। संपूर्ण मानवीय संबंधों का व्याख्या-सूत्र है। लुइस एल. काफमैन ने कहा है कि मित्रता का बीज बोएं, खुशियों का गुलदस्ता पाएं। जबकि देखने में यह आ रहा है कि हम मित्रता का बीज बोने का वक्त ही नहीं तलाश पा रहे है। दोस्ती की खेती खुशियों की फसल लेकर आती है, लेकिन उसके लिये पारम्परिक विश्वास की जमीन और अपनत्व की ऊष्णता के बीज भी पास में होने जरूरी है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। मित्रता दिवस की सार्थकता को सिद्ध करने के लिये हिन्दू धर्म में अनेक उदाहरण उपलब्ध है। हिंदू धर्म मित्रता को महत्व देता है, भारतीय पौराणिक कथाओं में ऐसे कई उदाहरण हैं जो किसी भी मित्रता के लिए प्रेरणा माने जाते हैं। भारतीय महाकाव्यों में भगवान ह्यश्रीकृष्णह्ल को सर्वश्रेष्ठ ह्यसखाह्ल माना जाता है। वह सबसे अच्छा दोस्त है, जो अपने सभी दोस्तों के लिए तब खड़ा हुआ जब उन्हें उनकी जरूरत थी, चाहे वह द्रौपदी हो, अर्जुन हो या सुदामा हो।

जाति, धर्म या सामाजिक स्थिति की कोई सीमा न जानने वाला एक समृद्ध बंधन प्रदर्शित करने वाला दोस्ती का शाश्वत बंधन श्रीकृष्ण और सुदामा का है। ऐसा कहा जाता है कि उस समय समाज को विभाजित करने वाली एक बड़ी सामाजिक-आर्थिक खाई के बावजूद, दोनों सबसे अच्छे दोस्त थे। ऐसा माना जाता है कि एक बार सुदामा गंभीर गरीबी से जूझ रहे थे, गरीबी से लड़ने के लिए अपनी पत्नी के आग्रह पर, उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के लिए एक विनम्र उपहार लेकर द्वारका की यात्रा की। यह इशारा उन दोनों के बीच साझा किए गए अमर बंधन का सम्मान करने के लिए एक स्मृति चिन्ह के समान था। सुदामा की पत्नी ने अपने बच्चों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन न होने के बावजूद सुदामा के प्रिय मित्र के लिए थोड़ी मात्रा में चावल एक पौटली में बांधकर दिये। भगवान श्रीकृष्ण अपने बचपन के मित्र से मिलकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उपहार में लाये चावल का स्वाद चखा और इसे अब तक का सबसे मीठा भोजन बताया। यह दोस्ती का एक अनूठा और प्रेरक उदाहरण है।

इसी तरह कर्ण और दुर्योधन महाभारत में खलनायक हो सकते हैं, लेकिन उनके सबसे बड़े दुश्मन भी यह स्वीकारते है िकवे दोस्ती की एक अद्भुत मिसाल है, किंवदंतियों में कहा गया है कि भले ही दुर्योधन अपने स्वार्थ के लिए कर्ण से मित्रता करना चाहता था, लेकिन उनके बीच का मिलन मित्रता के सबसे ज्यादा याद किए जाने वाले चित्रणों में से एक बन गया। उस समय, हस्तिनापुर जाति और भेदभाव की वास्तविकताओं से जूझ रहा था, अर्जुन और कर्ण के बीच युद्ध के बीच दुर्योधन ने कर्ण को अंगा का राजा नियुक्त करके परंपराओं और मानदंडों को चुनौती दी। कुशल होते हुए भी कर्ण के पास उचित वंश का अभाव था, जिससे कृपा की दृष्टि में उसकी उम्मीदवारी निरर्थक हो गई, जिन्होंने कर्ण की जाति जानने पर उसका मजाक उड़ाया था। इसे महसूस करते हुए, दुर्योधन ने उसे अंगा के राजा के रूप में नियुक्त किया, इसलिए उसे शक्ति की लड़ाई में अर्जुन के बराबर माना गया।

रामायण में, भले ही त्रिजटा को रावण के एजेंट के रूप में दर्शाया गया है, लेकिन त्रिजटा भी भगवान श्रीराम की जीत की कामना करती है। वह सीता की सभी प्रतिकूलताओं में मदद करती है और उन्हें बाहरी दुनिया की खबरों से अवगत कराकर उन्हें सांत्वना प्रदान करती है। लोककथाओं के अनुसार, रावण की मृत्यु के बाद, त्रिजटा को सीता और श्रीराम ने उसकी सच्ची साथी होने के लिए पुरस्कृत किया था। त्रिजटा को स्थानीय देवी के रूप में सम्मान देते हुए, उज्जैन और वाराणसी में उनकी पूजा की जाती है।

रामचरित में ही एक प्रसंग आता है। जब विभीषण श्रीराम की तरफ से रावण के साथ युद्ध करने आता है तो रावण को बहुत क्रोध आ जाता है। वह कहता है, तू मेरा भाई होकर भी शत्रु की तरफ से लड़ रहा है, तो पहले तुझे ही खत्म करूंगा। क्रोध में अंधा होकर रावण विभीषण पर शक्ति प्रहार करने लगता है, तब पीछे खड़े लक्ष्मण विभीषण के आगे आ जाते हैं- कहते हैं यह शक्ति का प्रहार मैं झेलूंगा। तुम हमारे शरणागत हो, मित्र हो, तुम पर संकट नहीं आना चाहिए। तुम्हारा संकट हम झेलेंगे और आखिर विभीषण को बचाने के लिए लक्ष्मण रावण की शक्ति प्रहार झेल लेते हैं। तो यह है मित्रता। मित्र के प्राणों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं करना।

मित्रता दिवस मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत। स्वस्थ निमित्तों की शृंखला में मित्रता का भाव बहुत महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति बिना राग-द्वेष निरपेक्ष भाव से सबके साथ मित्रता स्थापित करता है, सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है उसके जीवन में विकास के नए आयाम खुलते रहते हैं। मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है।

भरोसा रखें कि आप सफलता का रास्ता ढूंढ लेंगे

आप आज जहां हैं, जाहिर है कि अपने काम करने के खास तरीके के कारण हैं। आपका स्वास्थ्य, रुपये-पैसे की स्थिति, रिश्ते और करियर वगैरह सब, आपकी कार्यप्रणाली और निर्णयों का नतीजा हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आप जहां हैं, क्या उस पड़ाव पर खुश हैं? अगर आप यूं ही अपनी जिंदगी बिताते रहते हैं, तो क्या नतीजों से आप खुद को संतुष्ट महसूस करेंगे? अगर उत्तर में किंतु, परंतु आता है, तो कुछ बदलाव करने एवं जीवन को सकारात्मक सोच एवं दिशाएं देने की जरूरत का वक्त आ गया है। आज के समय में यह बहुत गंभीर मसला है कि निराशा और अवसाद में डूबे लोग इसी सकारात्मकता और ऊर्जा की तलाश में यहां-वहां फिर रहे हैं। ऐसे में बड़े पैमाने पर सकारात्मकता पढ़ाने वालों की जरूरत और भरमार है, पर इनमें से अधिकतर की सबसे बड़ी समस्या है कि वे चीजों को सतही बनाकर पेश करते हैं। सकारात्मकता का अर्थ है- अपनी योग्यता और कार्य करने की क्षमता पर विश्वास। यदि आप किसी कार्य के लिए अयोग्य हों तो आप उस काम को लेकर तब तक सकारात्मक नहीं हो सकते, जब तक कि आप उस काम को करने की योग्यता नहीं हासिल कर लेते। हां, यह बात जरूर है कि यदि आप किसी कार्य में अयोग्य हैं तो अपने को कमजोर मान निराशा या अवसाद में डूबने की जरूरत नहीं है। भरोसा रखें कि आप सकारात्मक रास्ता ढूंढ़ जीवन को सार्थक कर लेंगे।

दुनिया में कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता है। दुनिया का कोई भी कार्य महान नहीं होता, बल्कि महान लोगों द्वारा किए गए कार्य महान बन जाते हैं। कोई कह सकता था कि नर्स होना महत्ती गर्व की बात नहीं है, पर मदर टेरेसा के कार्यों ने उन्हें दुनिया के महानतम लोगों की श्रेणी में खड़ा कर दिया। अंग्रेजों को अहिंसा के माध्यम से घुटने टेकने पर मजबूर करने वाली गांधी अपनी युवावस्था में जब पहली बार कोर्ट में सूट-बूट पहनकर खड़े हुए तो उनके पैर कांपने लगे, जज के सामने उनकी आवाज तक नहीं निकली और वे इतना डर गए कि कोर्ट से भाग निकले। बाद में उन्होंने खुद को इस तरह निखारा कि करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया।

कभी ऐसे भी लोगों को हम देखते हैं जो उम्र से युवा हैं पर चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए---, निष्क्रिय ओर खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन---। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह सब हमारी शारीरिक स्वस्थता के साथ-साथ मानसिक स्थिति का और विचारों का एक प्रतिबिंब है। जब कभी आप चिंतातुर होते हैं तो ऊर्जा का स्तर गिरने लग जाता है। उस समय जो अनुभूति होती है, वह है-शरीर में थकावट, कुछ भी करने के प्रति अनिच्छा और अनुत्साह---। चिंता या तनाव जितने ज्यादा उग्र होते हैं, उतनी ही इन सब स्थितियों में तेजी आती है, किसी काम में तब मन नहीं लगता।

दूषित और दमघोंटू वातावरण में हर आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित हो रहा है। कोशिकाएँ ईर्ष्या और घृणा के धुएं से जल रही हैं। फेफडे. संयम के बिना शुद्ध ऑक्सीजन नहीं ले पा रहें है, कलह का दावानल पोर-पोर को जला रहा है, ऐसी स्थिति में इंसान का जीना समस्या है। लेकिन वह कैसे जीए? भागम-भाग, तनाव एवं घटनाबहुल आज के इस युग में सकारात्मक होना, ऊजार्वान होना इसके लिये एक बेहतरीन बात है और इसी के माध्यम से मानव जीवन ने ऊंचाइयों को छुआ है। यह सकारात्मकता एवं ऊर्जस्विलता ही है, जिसने आम इंसानों को ऐतिहासिक पुरुषों के रूप में महानता प्रदान की है। कई बार आपको ऐसा लगता होगा कि आप ऊर्जा से भरे हुए और परिपूर्ण है। आपका घट ऊर्जा से छलछला रहा है और उस समय आपके चेहरे पर एक विशिष्ट आभा होती है, आँखों में चमक होती है, मन में प्रसन्नता ओर हृदय में होती है कुछ कर गुजरने की तमन्ना।

अपनी ऊर्जा को सकारात्मक रूप देने और उसे बढाने के लिए आप इस तथ्य को अपने मन मस्तिष्क में बिठा लें कि सामान्यतः मनुष्य जो कुछ कर रहा है वह उसकी क्षमता से बहुत कम है। जैन धर्म में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि मनुष्य अपने इसी शरीर में सर्वज्ञ बन सकता है और महानता का वरण कर सकता है। कुछ अन्य दार्शनिक इस विचार से असहमत रहे हैं। उनका कहना था कि हाड़ मांस के इस शरीर से मनुष्य सर्वज्ञ जैसी दिव्यता की स्थिति को प्राप्त कर ही नहीं सकता। पर जैन आचार्यों ने महावीर वाणी के आधार इस बात को दृढ़ता के साथ और सही ढ़ंग से प्रस्तुत किया कि इस ह्यूमन बॉडी में जो विराट शक्तियाँ भी छिपी हुई हैं, उनका सही उपयोग किया जाए तो निःसंदेह मनुष्य सर्वज्ञता और महानता जैसी स्थिति को प्राप्त कर सकता है।

चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में आंकना और सामर्थ्य व परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जीवन जीना ही सकारात्मकता है। यदि परिस्थितियां हमारे हित में नहीं है तो उन्हें अपने हित में करने के लिए जूझना। दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है, जिसे इंसान न कर सके। दिल में कामों के प्रति जुनून और लगन होनी चाहिए। सकारात्मकता आत्मविश्वास से ही उपजती है और उसमें इस बात का भी बोध होता है कि दुनिया बहुत महान है और यहां विविधताओं और योग्यताओं का भंडार है। जितनी ज्यादा चाह है, उससे ज्यादा मेहनत करने की क्षमता ही हमें सकारात्मक बना सकती है। बुद्ध ने कहा कि अंतिम सत्य कुछ नहीं, कुछ भी नहीं है, जो अजर-अमर हो। कुछ भी नहीं, जो बदला न जा सके। एक महान विद्वान ने कहा था कि जब हम स्वार्थ से उठकर अपने समय को देखते हुए दूसरों के लिए कुछ करने को तैयार होते हैं तो हम सकारात्मक हो जाते हैं।

हिन्दू धर्म ग्रंथों की मानें तो भगीरथ नाम के एक इंसान ने कठोर तपस्या के माध्यम से गंगा को पृथ्वी पर आने के लिए मजबूर कर दिया था। सच है कि आपके द्वारा किया गया कोई कार्य फल न दे, यह नामुमकिन है। सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि आप काम को कैसे करते हैं। माना कि आप बहुत अच्छे ड्राइवर हैं, पर क्या आप आंख बंद करके गाड़ी चला सकते हैं। जीवन भी ऐसा ही है- गाड़ी चलाने जैसा, कभी तेज चलता है तो कभी धीरे, कभी क्लच पकड़ना पड़ता है तो कभी गियर बदलना पड़ता है। कभी गाड़ी ऊबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरती है तो कभी बंद पड़ जाती है और उसे दुरुस्त करने के लिए गैराज भेजना होता है। जिन्दगी भी ऐसी ही होती है जिसे सकारात्मकता रूपी गैराज की जरूरत पड़ती है। महात्मा गांधी ने कहा कि जब आप दुखी हों तो अपने से नीचे देखो और फिर सोचो कि आप सुखी हो या दुखी। यहां देखने का नजरिया महत्वपूर्ण होगा। नीचे देखते समय अपनी सुविधाओं को देखो और ऊपर देखते हुए उनके लिए किए गए श्रम को समझने का प्रयास करो। ऊर्जा एवं सकारात्मकता से समृद्ध होकर आप जीवन को आनंदित बना सकते हैं। समाज और राष्ट्र के लिए भी ज्यादा उपयोगी साबित हो सकते है। सदा उत्साहित रहकर खुद को ऊर्जा से भरपूर रखें, इससे आपके व्यक्तित्व को नई पहचान मिलेगी। आपका आत्मविश्वास बढेगा, जीवन में सफलता की सीढ़ियों पर बहुत जल्दी आप आरोहण कर सकेंगे।

प्रेषक

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
मो. 9811051133

'स्टडी इन इंडिया' से क्या हासिल होगा?

- ललित गर्ग -

आजकल की शासन व्यवस्थाएं लोक कल्याणकारी एवं संवेदनशील न होकर आर्थिक एवं राजनीतिक प्रेरित होती जा रही है। शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूल जरूरतों के लिये भी सरकारों का नजरिया अर्थ-प्रदान होता रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा के निजीकरण की हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। विडम्बना देखिये कि देश के बच्चों को समुचित शिक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं और विदेशी बच्चों को उन्नत शिक्षा देने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जा रहे हैं। विदेशी छात्रों के लिए सरकार ने एक नए पोर्टल ह्यस्टडी इन इंडियाह्ल को लॉन्च किया है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को देश के शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस पोर्टल की शुरूआत करते हुए इसे देश को शिक्षा के क्षेत्र में ब्रांड इंडिया की एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने का माध्यम बताया है। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा?

ह्यस्टडी इन इंडियाह्ल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा निर्देशित है। यह भारत को पसंदीदा शिक्षा गंतव्य बनाने के साथ-साथ समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। लेकिन उच्च शिक्षा के वंचित भारतीय छात्रों के लिये यह किस तरह हितकारी एवं उपयोगी है? ह्यस्टडी इन इंडियाह्ल वेबसाइट पर ग्रेजुएशन (यूजी), पोस्टग्रेजुएशन (पीजी), डॉक्टरेट लेवल के कार्यक्रमों के साथ-साथ योग, आयुर्वेद, शास्त्रीय कला सहित अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी देगा। इसमें शैक्षणिक सुविधाओं, रिसर्च हेल्प से संबंधित जानकारी के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन यह सब विदेशी छात्रों के लिये होगा। देश में शिक्षा के स्तर के सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि दुनिया के शीर्ष सौ उच्च शिक्षण संस्थानों में भारत से एक भी नाम नहीं है। आज भी सक्षम परिवारों की उच्च शिक्षा के लिए पहली पसंद विदेश के शिक्षण संस्थान बने हुए हैं। फिर किस तरह हम विदेशी छात्रों को आकर्षित करेंगे, अगर आकर्षित कर भी लिया तो क्या वह भारतीय छात्रों के साथ नाइंसाफी नहीं होगा? संसाधनों की कमी और बेहतर शिक्षकों के अभाव से जूझ रही भारत की उच्च शिक्षा ह्यस्टडी इन इंडियाह्ल से क्या हासिल कर लेगी, एक बड़ा सवाल है।

शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है ह्ल जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं। ऐसे हालातों में विदेशी छात्रों को उन्नत शिक्षा देने के अभियान में जुटना सरकार की मंशा पर एक सवालिया निशान है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 2020 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखते थे। 14 अगस्त 2004 को भारत की आजादी के 57वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने भाषण में शिक्षा पर जोर देते हुए कहा था कि ह्यभारत अगले 16 वर्षों में विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में है और शिक्षा के बिना यह संभव नहीं है। समृद्धि और विकास के लिए शिक्षा सबसे जरूरी तत्व है। शैक्षिक सुविधाओं तक हर व्यक्ति की पहुंच अत्यंत आवश्यक है। गांवों और गरीब परिवार के लिए शिक्षा आसानी से उपलब्ध नहीं है। भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का छः-सात प्रतिशत तक शिक्षा पर खर्च करना चाहिए ह्ल सरकारें शिक्षा पर खर्च तो कर रही है, लेकिन उसका लाभ गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को कितना मिलता है, यह मंथन का विषय है।

शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ढेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति-नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की खिलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट-बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत-सशक्त भारत आकार ले सकेगा? क्या ह्यस्टडी इन इंडियाह्ल जैसी दूरगामी योजनाएं इन बच्चों के मुंह पर यह करारा तमाचा नहीं है?

आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पधार्पूर्ण है। बच्चे संघर्ष करके वहाँ तक पहुँच जाते हैं और पढ़ाई आसानी से कर लेते हैं। किंतु अब वहां की भी फीस बढ़ाने की कवायद तेजी से होने लगी है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, तो देश का निम्न एवं मजदूर वर्ग यह सोचने को मजबूर है कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था कैसे करे।

आइए ब्रह्मांड के कण-कण से कुछ सीखें

फलों व शीतल छाया से, बादल रिमझिम बारिश की फुहारों से सदैव परोपकार का कार्य करते हैं और परोपकार ही तो असली जीवन है। जीवन का असली आनंद परोपकार में ही तो है। अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं वह सच्चे मानव हैं। ईश्वर या परमात्मा इस ब्रह्मांड के कण-कण में मौजूद है, व्याप्त है, जरूरत है तो बस उसे सच्चे मन व आत्मा से महसूस करने की। सबके भीतर मौजूद आत्मा भी तो परमात्मा का ही एक अंश है। आदमी को यह चाहिए कि वह अपने घर परिवार, समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता रहे और ईश्वर का ध्यान भी करता रहे। वह जिम्मेदारियों में इतना आसक्त नहीं हो जाए कि परम पिता परमेश्वर या ईश्वर को ही भूल जाए। निष्काम भाव से मानव मात्र की सेवा से ही हमारे जीवन में निखार आता है। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सेवा से बढ़कर देखा जाए तो कुछ है ही नहीं। सेवाभाव तभी संभव है जब हम जीवन में विनम्रता को अपनायेंगे। जो विनम्र हैं, जो जीवन में झुकना जानता है,वहीं जीवन में सफल है। प्रकृति के कण-कण से यदि हमें शिक्षा ग्रहण करनी है तो हमें विनम्र होना पड़ेगा, क्यों कि जो विनम्र है, वही ग्रहण करने की क्षमता रखता है। विनम्र वहीं हो सकता है जो अहंकारी नहीं है। अहंकार तो मनुष्य का दुश्मन है जो सबकुछ बर्बाद कर देता है। विनम्र बनने के लिए हमें अहंकार से सर्वथा दूर रहना होगा। याद रखिए कि आंधियों से बचना है तो हमें छोटा पौधा बनना ही होगा। बड़े पेड़ हमेशा आंधियों में उखड़ कर गिर जाते हैं क्यों कि विनम्रता का अभाव होता है, अहंकार होता है कि वे बड़े हैं और आंधी बारिश तूफान उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते जबकि छोटे पौधे विनम्रता धारण किए होते हैं, इसीलिए आंधियों, तूफानों से बच पाते हैं। आदमी को जीवन में विनम्रता की मिठास की जरूरत है और यही मिठास उसके जीवन में खुशियां बिखेरती है, आनंद बिखेरती है। आदमी की यह प्रवृत्ति है कि वह जीवन में हमेशा मिठास का इंतजार करता है लेकिन मिठास अपने आप नहीं आती, उसे अपने कर्मों से, मन और वचन से प्राप्त करना होता है। वास्तव में 'प्रकृति हमारी श्रेष्ठतम शिक्षक है। प्रकृति के प्रत्येक घटक और कृत्य, नित्य हमें कुछ न कुछ सिखाते रहते हैं।' पवित्र बाईबिल कहती है - 'पशुओं से पूछो वे तुम्हें सिखाएंगे, आकाश के पक्षी भी तुम्हें बताएंगे, धरती में उगी झाड़ियाँ तुम्हें सिखाएंगी, समुद्र की मछलियां तुम्हें सब कुछ वर्णन करेंगी।'

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार ,उत्तराखंड।

(आर्टिकल का उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है।)

शिक्षा बीच में छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक

आजादी के अमृतकाल को सार्थक करने में शिक्षा ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। कहा जा सकता है कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार भी है जिससे इंसान न केवल खुद को, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं दुनिया को भी बदल सकता है। बात जब नया भारत-सशक्त भारत बनाने की हो रही है तो शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने एवं सर्वाधिक ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन चिंता की बात यह है कि सरकारों की इस सकारात्मक सोच के बावजूद हमारी शिक्षा प्रणाली विपरीत संकेत देती रही है। भारत में उच्च शिक्षा एवं स्कूली शिक्षा में छात्र-छात्रों के ड्रॉपआउट्स की संख्या यानी बीच में ही पढ़ाई छोड देने की संख्या बढ़ना न केवल शिक्षा-व्यवस्था पर बल्कि सरकार की शिक्षा नीति एवं व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है।

संसद में दिये गये एक जबाव के अनुसार देश के नामी उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछले पांच साल के दौरान 34 हजार से ज्यादा छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ गए। दूसरी ओर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से सन् 2022 की बोर्ड परीक्षाओं के विश्लेषण में बताया गया है कि दसवीं और बारहवीं के स्तर पर देश में लाखों बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं। विश्लेषण के मुताबिक, पिछले साल पैंतीस लाख विद्यार्थी दसवीं के बाद ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने नहीं गए। इनमें से साढ़े सत्ताइस लाख सफल नहीं हुए और साढ़े सात लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा नहीं दी। इसी तरह, पिछले साल बारहवीं के बाद 2.34 लाख विद्यार्थियों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी। इनमें से सतहत्तर फीसद ग्यारह राज्यों से थे। यानी करीब अट्ठावन लाख विद्यार्थी दसवीं और बारहवीं में पढ़ाई छोड़ देते हैं तो यह किसी भी सरकार के लिए बेहद चिंता की बात होनी चाहिए और यह समग्र शिक्षा व्यवस्था से लेकर सरकारी कल्याण कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर अमल पर सवालिया निशान है।

बात उच्च शिक्षा की करें तो वैश्विक मापदण्डों पर हमारी शिक्षण संस्थाएं काफी पीछे नजर आती हैं। यह तो तब है जब आजादी के 76 सालों में सरकारों ने शिक्षा के प्रसार की दिशा में काफी प्रयास किये, बहुआयामी योजनाओं को आकार दिया एवं बजट में भी भारी भरकम प्रावधान किये हैं। 34 हजार से ज्यादा बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वाले छात्रों में भी दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी ज्यादा हैं। ये संस्थान कोई सामान्य सरकारी कॉलेज नहीं बल्कि आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम व केन्द्रीय विश्वविद्यालय और इनके जैसे स्तर के हैं। ऐसे संस्थानों में क्या पढ़ाई का स्तर व माहौल उचित नहीं है? सरकार और देश के शिक्षाविदों को इस तथ्य को लेकर भी चिंता करनी ही होगी कि बीते पांच साल में इन उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने वाले 92 विद्यार्थियों ने पढ़ाई के बीच में ही आत्महत्या क्यों कर ली?

जिला पंचायत की जर्जर गोदाम में चल रहा विद्यालय

जिम्मेदार बेखबर, कभी भी हो सकता हादसा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने को सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। प्राइवेट संस्थान संचालक सरकारी गाइड लाइन को दर-किनार कर नौनिहालों को मौत के साये में शिक्षण कार्य करा रहे हैं।

ये मामला मानिकपुर तहसील के रैपुरा गांव में संचालित महर्षि बाल्मीकि पूर्व माध्यमिक विद्यालय का है। जिला पंचायत की जर्जर गोदाम में पूर्व माध्यमिक विद्यालय रैपुरा के जितने विद्यालय चल रहे हैं, संचालक लापरवाह हैं। अभिभावक भी अपने बच्चों को जर्जर इमारत के विद्यालय में शिक्षण को भेजते हैं। जिला पंचायत की इस इमारत में पढ़ने वाले नौनिहालों को मौत के साये में शिक्षा लेनी पड रही है। मौत की पाठशाला के प्रति खण्ड शिक्षा अधिकारी मानिकपुर का रवैया संदेह जनक है, सबकुछ जानते हुए भी इस विद्यालय पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। जबकि खण्ड शिक्षा अधिकारी बखूबी जानते हैं कि जिला पंचायत की जर्जर गोदाम पर संचालित विद्यालय की इमारत कभी भी ध्वस्त हो सकती है। नौनिहालों को जान देकर कीमत चुकानी पड़ सकती है।

प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय के बगल में जिला पंचायत के जर्जर गोदाम पर संचालित मौत की पाठशाला में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शौच क्रिया को खुले में जाना पड़ता है।

नौनिहाल राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे खुली जगह में शौच क्रिया करते हैं, विद्यालय संचालक को कोई फर्क नहीं पड़ता। मौत की पाठशाला की जानकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी है, इस विद्यालय पर कार्यवाही करने से वह भी कतराते हैं। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी, अभियन्ता व अवर अभियंता को जर्जर गोदाम में संचालित मौत की पाठशाला नजर नहीं आ रही। इसी गोदाम में जिला पंचायत पे अभी बाउंड्रीवॉल का निर्माण करा रही है। निरीक्षण को जिला पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी, अवर अभियंता गए होंगे। मौत की पाठशाला पर इन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। नौनिहालो के साथ कोई अनहोनी होती है तो बीएसए समेत जिला पंचायत विभाग के अधिकारी भी जिम्मेदार होंगे, समय रहते जर्जर गोदाम में संचालित विद्यालय को बंद कराया जाये।

वारंटी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में चैकी प्रभारी शिवरामपुर श्यामदेव सिंह की टीम ने दुर्घटना में मृत के वारंटी विजय कुमार तिवारी पुत्र मुकुन्द लाल निवासी पडरी को गिरफ्तार किया है।

सीजेएम ने राजापुर एसडीएम से दस अगस्त तक मांगा जवाब

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। न्यायालय में प्रारम्भिक जांच रिपोर्ट निर्धारित समय से दाखिल न करने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूर्यकांत धर दुबे ने राजापुर के एसडीएम प्रमोद कुमार झा को नोटिस जारीकर जवाब-तलब किया है। इस मामले में एसडीएम के विरूद्ध धारा 349 और धारा 91 के तहत नोटिस जारी कर दस अगस्त को जवाब देने को कहा है।

सरधुवा थाना क्षेत्र के अरछा बरेठी गांव के रामसुमेर पुत्र रामप्रताप ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय चित्रकूट के यहां धारा 156(3) के तहत प्रार्थना पत्र दिया था। उसने अपने चाचा के वसीयतनामे के मामले में राजापुर तहसील के कर्मचारियों और नायब तहसीलदार पर गांव के कुछ लोगों से मिलकर साजिश कर खतौनी में फर्जी ढंग से नाम दर्ज कराने और जमीन का बैनामा अवैध ढंग से कराने का आरोप लगाया था।

पुलिस के कोई सुनवाई न करने पर पीड़ित ने न्यायालय में धारा 156(3) के तहत प्रार्थना पत्र दिया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पत्र का अवलोकन कर इस मामले में राजापुर एसडीएम को खुद प्रारम्भिक जांच कर दस दिन के अन्दर न्यायालय में आख्या देने के आठ जून को आदेश दिए थे।

अब तक न्यायालय में आख्या न आने पर सीजेएम सूर्यकान्त धर दुबे ने राजापुर एसडीएम प्रमोद कुमार झा से जवाब-तलब किया है। पत्र भेजने के बाद भी आख्या पेश न करने पर न्यायालय के आदेश की अवमानना के तहत धारा 349, 91 के तहत नोटिस जारी कर एसडीएम राजापुर से कहा है कि क्यों न उनके विरूद्ध धारा 349 की कार्रवाई अमल में लाते हुए विधि अनुसार दण्डित किया जाए। इस मामले में दस अगस्त को पत्रावली स्पष्टीकरण समेत पेश होने को कहा है।

तीन चौकी प्रभारियों के तबादले

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने तीन चैकी प्रभारियों का तबादला जनहित में किया है। शिवरामपुर चैकी प्रभारी रजोल नागर को पुलिस लाइन भेजा गया है। रगौली जेल चैकी प्रभारी रहे श्यामदेव सिंह शिवरामपुर चैकी प्रभारी बनाए गए हैं। इसी प्रकार सरैया चैकी प्रभारी चन्द्रमणि पाण्डेय को रगौली जेल चैकी प्रभारी बनाया गया है। मानिकपुर थाने के दरोगा हारून रसीद खां को सरैया चैकी प्रभारी बनाया गया है।

वांछित महिला को पुलिस ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में वरिष्ठ दरोगा यदुवीर सिंह की टीम ने वांछित शीलू देवी पुत्री चुनवाद निवासी मऊ ब को गिरफ्तार किया है।

दुष्कर्म पाक्सो एक्ट के दो वांछित दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर वीर प्रताप सिंह की टीम ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के वांछित राजकुमार पुत्र स्व शिवराम कोल निवासी अहरी मजरा सरैया, ऋषिकेश पुत्र छेदीलाल कोल निवासी गराठा पुरवा मजरा सेमरदहा को गिरफ्तार किया है।

शिक्षा मन्दिर को कलंकित करने वालों पर हो कार्यवाही: आप, 14 अगस्त को लखनऊ चलने की अपील

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आम आदमी पार्टी जिला कमेटी की मासिक बैठक आप कार्यालय में जिलाध्यक्ष सन्तोषी लाल शुक्ला की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पार्टी विस्तार की समीक्षा व बूथ स्तर तक संगठन मजबूती को रणनीति पर चर्चा हुई। 14 अगस्त को लखनऊ में सांसद संजय सिंह की अगुवाई में विशाल तिरंगा यात्रा में शामिल होने को कार्यकताओं से अपील की।

रविवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष संतोषीलाल शुक्ला ने बैठक में मौजूद साथियों से कहा कि बीते दिनों मानिकपुर में जिस तरह शिक्षा के मंदिर को कलंकित करने का कृत्य जिन लोगों ने किया है, उनकी जांच कराकर दोषियों पर कडी कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि पार्टी की मजबूती को सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता क्षेत्र में लोगों से सम्पर्क बनाये रखें। 14 अगस्त को सांसद संजय सिंह की अगुवाई में तिरंगा यात्रा में लखनऊ चलने की कार्यकताओं व पदाधिकारियों से अपील की है।

बैठक में जिला महासचिव जितेन्द्र गोयल, प्रेमचन्द्र पटेल, प्रमोद कुमार सोनी, शिवप्रकाश सिंह, राजबहादुर साहू, देवशरण वर्मा, लवलेश केसरवानी, नर्वदा प्रसाद यादव, दिनेश सिंह, डॉ रमाकांत गुप्ता, राजकुमार ओझा, अब्दुल खालिक, खुदाबख्श, श्यामबाबू त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

हनुमान धारा के गड्ढे हादसों को दे रहे दावत , बारिश में गड्ढों में भरे पानी बना है खतरा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। हनुमान धारा मार्ग के गड्ढे बारिश के मौसम में फिर से बवाले जान बन गये हैं। गड्ढों से हादसों का खतरा है। प्रशासन सुध नहीं ले रहा। बुंदेली सेना ने सतना कलेक्टर से गड्ढों से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

रविवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि कर्वी से हनुमानधारा जाते समय मप्र सीमा में सड़क अधबनी पड़ी है। हैवी लोडेड ट्रकों के आवागमन से सोलिंग पड़ी सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं। बारिश मे गड्ढों में पानी भरा हैं। हादसों का खतरा है। सैकड़ों वाहन रोज इस मार्ग से गुजरते हैं। खासतौर पर लोड ट्रकों के पलटने का बड़ा खतरा है। चारपहिया वाहनों के चेंचिस तो गड्ढो में रख जाते हैं। किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन आंख मूंदकर बैठा है। बुंदेली सेना ने सतना कलेक्टर से मांग की है कि जल्द सड़क को गड्ढा मुक्त किया जाये। पिछले कई वर्षों से सड़क अधूरी पड़ी है। पहले मिट्टी की सड़क थी, फिर पिछले साल सोलिंग डाल दी गई। सड़क का डामरीकरण नहीं हुआ। डामरीकरण न होने से गिट्टी-मोरम धीरे-धीरे बैठ गई और सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई। हनुमान धारा फ्लाई ओवर के पास भी सड़क में जलभराव है। मलमास और सावन में बड़े पैमाने पर श्रद्धालु धर्मनगरी आ रहे हैं। ऐसे में तीर्थयात्री भी परेशान हो रहे हैं।

भुगतान में आनाकानी पर बीमा कम्पनी को देना होगा भुगतान

उपभोक्ता फोरम ने दिया आदेश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दुर्घटना ग्रस्त एम्बुलेंस की बीमा धनराशि देने में आनाकानी कर रही बीमा कम्पनी को उपभोक्ता फोरम ने 278700 रूपए का भुगतान ब्याज समेत करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में बीमा कम्पनी को वाहन स्वामी को मानसिक क्षतिपूर्ति एवं वाद व्यय के रूप में दस हजार रुपये भुगतान भी किया जाएगा।

रविवार को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के रीडर सत्यदेव ओझा ने बताया कि कर्वी के गांधीगंज के लोकेश पहारिया पुत्र ऋषि कुमार पहारिया ने आयोग के समक्ष परिवाद पेशकर अपने प्राइवेट एम्बुलेंस का बीमा युनाइटेड इंश्योरेंस से कराया था। एम्बुलेंस का बीमा 16 मई 2018 से 15 मई 2019 अवधि को कराने की प्रीमियम राशि दी थी। नौ दिसम्बर 2018 को मरीज छोडकर देवास मप्र से लौट रही एम्बुलेंस रास्ते में मोटरबाइक सवार को बचाने के प्रयास में क्षतिग्रस्त हो गयी। एम्बुलेंस चालक भी घायल हो गया था। गाडी मालिक ने युनाइटेड इंश्योरेंस कम्पनी व पुलिस को सूचना दी थी। बीमा कम्पनी सर्वेयर ने परिवादी को बताया था कि इस हादसे में 278700 रूपए की क्षति हुई है। ये भुगतान 30 दिन में करने का भरोसा दिया था। कहा कि अभी वाहन स्वामी गाडी बनवा लें। वाहन स्वामी ने बीमा धनराशि प्राने को लगातार सम्पर्क करता रहा। यूनाइटेड इंश्योरेंस कम्पनी ने भुगतान नहीं किया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दाखिल करने पर एक पक्षीय रूप से मंजूर परिवाद में आयोग अध्यक्ष रामसुचित, सदस्य सुभाषचन्द्र सिंह व अंजू सिंह चैहान ने संयुक्त रूप से निर्णय दिया कि सर्वेयर की आंकलित धनराशि 278700 रूपए का भुगतान परिवाद दायर करने की तिथि से अंतिम अदायगी तक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज समेत बीमा कम्पनी वाहन स्वामी को देगी। वाहन स्वामी को मानसिक क्षतिपूर्ति को पांच हजार व वाद व्यय को पांच हजार रूपए बीमा कम्पनी देगी।

मंदाकिनी बचाने को होगी आठ अक्टूबर को मैराथन दौड़

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले की मन्दाकिनी नदी की अविरलता को जिले के लोग मैराथन दौड करेगे। छात्र शक्ति समिति ने अक्टूबर माह के प्रहले सप्ताह में से निर्णय लिया है।

रविवार को रूपरेखा बनाने को चित्रकूट इंटर कॉलेज परिसर में हुई बैठक में पर्यावरण प्रेमी गोपाल भाई ने कहा कि देश में पहली नदी मंदाकिनी है, जो किसी मां के तप से प्रकट हुई है। माता अनुसुइया के वरदान से प्रकृति संरक्षण का जनसंदेश लेकर होने वाली मैराथन दौड़ में जनसहभागिता बनायी जाए। प्रेरक संत मदनगोपाल दास महाराज ने कहा कि भौतिक वाद की अंधी दौड़ में शामिल युवा शक्ति प्रकृति पर्यावरण को बचाने को दौड़ती दिखाई देगी तो समाज के लिए दिशा पूर्ण संदेश होगा।

बैठक में निर्णय हुआ कि जिले के युवा दौड़ उप्र क्षेत्र के देवांगना घाटी से शुरू की जाएगी। लगभग 11 किमी दूरी पर मप्र क्षेत्र के मोहकमगढ़ में समापन होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म नगरी में सिया वन का निर्माण व मंदाकिनी को स्वच्छ बनाने को लोगो को जागरूक करना है। इस मौके पर श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, आलोक पांडे, हीरो मिश्रा, विनीता द्विवेदी, कर्वी कोतवाल गुलाब त्रिपाठी, नगर पालिका ईओ लालजी यादव, विहिप के ऋषभ, समाजसेवी अर्चन पंडित, कैलाश रलिहा समेत आयोजन मंडल से राहुल पांडे, ओमराज तिवारी, अंकित प्रताप, विजय त्रिपाठी, संदीप शुक्ला, अजय मिश्र, व्रक्तुंड पांडे, हिमांशु शुक्ला, योगेंद्र पाठक, प्रिंस मिश्र, शिवा शुक्ला, पार्थ मिश्र, सत्यम त्रिपाठी एवं अखंड हिंद फौज के जवान मौजूद रहे।

16-17 को बांदा प्रशिक्षण में हिस्सा लें सपाई: शिवशंकर सिंह यादव

सपा की हुई मासिक समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई मासिक बैठक में प्रदेश कार्यालय से जारी पत्र एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के भेजे निदेर्शों से पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को अवगत कराया।

रविवार को बैठक में जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि खासतौर से मतदाता सूची पुनरीक्षण में पैनी नजर बनाए रखें। प्रत्येक बूथ, सेक्टर प्रभारी, नेता एवं कार्यकर्ता खासतौर से अपने बूथ के मतदाता सूची को देखें। पार्टी के मतदाताओं के नाम छूटने पर अंकित करायें। आगामी एक जनवरी से जो युवक/युवतियां 18 साल पूरे कर रहे हों, उनके नाम मतदाता सूची में अंकित करायें। जिलाध्यक्ष ने कहा

कि 16-17 अगस्त को सपा प्रशिक्षण शिविर बांदा में हो रहा है, शिविर में ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता एवं युवक/युवतियां डॉ लोहिया, डॉ भीमराव अंबेडकर एवं नेताजी मुलायम सिंह यादव को आगे बढ़ाने को मुख्य धारा में लाने को संघर्ष किया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करना है।

बैठक में पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने कहा कि सपा सदन से लेकर सड़क तक गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं की आवाज बुलंद कर रही है। लोहिया वाहिनी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ निर्भय सिंह पटेल ने कहा कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उप्र से होकर गुजरता है।

बैठक में मो गुलाब खां, नरेन्द्र यादव, सुभाष पटेल, विक्की यादव, अमर पटेल, मंगल सिंह यादव, राजा बाबू यादव, गोपीचंद यादव, सियाराम गुप्ता, मेघराज प्रजापति, जागेश्वर यादव, सिद्धार्थ पांडे, उमाकांत यादव, गया प्रसाद यादव, कमल यादव, राजकिशोर विश्वकर्मा, हिमांशु गुप्ता, चंचल पटेल, सूरज सिंह पटेल, इंद्रभूषण यादव, रमेश चंद कुशवाहा, राज बहादुर प्रजापति, चंदन कोटार्य, राजा साहू, मुन्ना सोनकर, संतोष कोटार्य, राजा यादव, महिला सभा की जिलाध्यक्ष रमा यादव, रेमा श्रीवास्तव, शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, कल्लू पाल, सुरेंद्र खंगार, निजामुद्दीन सिद्दीकी, नफीस अहमद, लाल बहादुर निषाद आदि मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल ने किया।

लो वोल्टेज से उपभोक्ता फोरम ने बिजली बिल किया निरस्त

विभाग पर ठोका जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। लो वोल्टेज आपूर्ति के बाद भी उपभोक्ता से बिल वसूलने पर उतारू विद्युत विभाग को उपभोक्ता फोरम ने करारा झटका दिया है। फोरम ने कोटवा माफी गांव के मामले में लो वोल्टेज से निजी नलकूप न चलने से साढ़े छह साल के विद्युत बिल निरस्त कर दिए हैं। परिवादी को वाद व्यय और मानसिक क्षतिपूर्ति के बतौर पांच हजार रुपये का भुगतान बिजली विभाग करेगा।

शनिवार को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के रीडर एसडी ओझा ने बताया कि मऊ तहसील के कोटवा माफी गांव के प्रभात कुमार पाण्डेय पुत्र शिवभीख ने आयोग के समक्ष परिवाद दायर किया था। परिवादी ने 2009 में नलकूप कनेक्शन लिया था। 2009 से जनवरी 2016 तक पूरे बरगढ़ क्षेत्र में मऊ पावर हाउस से विद्युत आपूर्ति में लो वोल्टेज समस्या बनी रहती थी। उनका निजी नलकूप बंद रहा और उन्होंने बिजली उपभोग नहीं किया। इस अवधि में वह ग्रामीणों के साथ निरंतर सक्षम अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को लो वोल्टेज की समस्या बताते रहे।

क्षेत्रीय जनता व जनप्रतिनिधियों के दबाव में लगभग सात साल बाद बिजली विभाग ने मऊ पावर हाउस से हटाकर ओबरी प्लांट से बिजली आपूर्ति शुरू करने पर लो वोल्टेज की समस्या से दिसम्बर 2016 में निजात मिली। 2016 से अब तक का बिल भुगतान करने को तैयार हैं, किन्तु विद्युत विभाग लो वोल्टेज अवधि से लेकर अब तक के विद्युत बिलों को जमा कराने का दबाव बना रहा है। कनेक्शन काटने की धमकी दे रहा है। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता के कहने पर 29088 रुपया 23 जून 2020 को जमा कर चुका है, फिर भी उन्हें संशोधित बिल नहीं दिया गया। परिवाद के विचारण पर एक पक्षीय स्वीकार करते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष रामसुचित, सदस्य सुभाष चन्द्र सिंह और अंजू सिंह ने निर्णय सुनाया कि लो वोल्टेज से निजी नलकूप न चलने से प्रतिवादी जुलाई 2009 से जनवरी 2016 तक बिजली बिल निरस्त करने का आदेश दिया। विद्युत विभाग को 30 दिन में जनवरी 2016 के बाद का बिजली बिल बिना अधिभार के परिवादी को देने को कहा। बिजली विभाग परिवादी को वाद व्यय के रूप में दो हजार और मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में तीन हजार रुपये भी देगा।

बारिश के बीच भी जारी रहा स्वच्छता अभियान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कामतानाथ परिक्रमा मार्ग में कामदगिरि स्वच्छता समिति व नगर पालिका के सहयोग से सफाई अभियान जारी है। भारी वर्षा के बीच भी सफाई अभियान चलाया गया। रविवार को कामदगिरि स्वच्छता समिति के अभियान में ईओ नगर पालिका लालजी यादव ने कहा कि स्वच्छता अभियान से समाज में जागरूकता आती है। स्वच्छता अभियान में हजारों टन कूड़ा कामतानाथ का बाहर निकाला गया। स्वच्छता मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण है। स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एम्बेसडर राकेश केसरवानी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत कामतानाथ परिक्रमा मार्ग में अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य एवं सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता अभियान में आम जनता में जागरूकता आती है। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक शिवा कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने स्वच्छता अभियान की शुरूआत की थी। अभियान का मूल उद्देश्य है कि खुद गंदगी करने से बचें और आम जनता को भी जागरूक करें। अभियान में कृष्णा शुक्ला, जितेंद्र केसरवानी, राजेंद्र त्रिपाठी, जानकी कुशवाहा, विनोद कुमार, नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

आरक्षण बचाने को सांसद को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष भइयालाल की अगुवाई में सांसद आरके सिंह पटेल को प्रतिनिधि मंडल ने 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति मामलों के मंत्रालय का गठन किया जाये।

रविवार को आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष भइयालाल की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने सांसद आरके सिंह पटेल को सौंपे ज्ञापन में कहा कि प्रदेश व देश में

एक समान निःशुल्क शिक्षा लागू की जाये, सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति व पिछडी जाति के कर्मियों को पदोन्नति में आरक्षण दिया जाये। निजीकरण, आउट सोर्सिंग, संविदा भर्ती व ठेका भर्ती को तत्काल बन्द किया जाये। वंचित वर्गों के आर्थिक मजबूती व बेरोजगारों को सस्ती दरों पर दुकानें दी जायें।

आंध्र प्रदेश की तर्ज पर स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान लागू किया जाये।

सच्चर कमेटी/रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट लागू की जाये। किसान हित में स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू की जाये।

ज्ञापन में इसी प्रकार से अन्य कई मांगे शामिल रहीं। सांसद आरके सिंह पटेल ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिया कि वे आरक्षण बचाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर गया प्रसाद बौद्ध, रामप्रसाद सिंह, वीरेन्द्र कुमार, जयनारायण श्रीवास, अशोक कुमार, विनोद कुमार, शिवप्रसाद, सृष्टि कबीर, शिवप्रकाश सिंह, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

शिकागो में भुखमरी की हालत में दिखी हैदराबाद की बेटी को देश भेजने की तैयारी, छात्रा की हामी का इंतजार

वाशिंगटन। अमेरिका के शिकागो में अवसाद और भुखमरी की हालात में मिली हैदराबाद की छात्रा अब ठीक है। यह जानकारी भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दी। वाणिज्य दूतावास ने ट्वीट कर कहा कि हमें खुशी है कि हम सैयदा जैदी से संपर्क कर सके। वह बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने भारत में अपनी मां से भी बात की।

दूतावास ने आगे कहा कि हम छात्रा की हर संभव मदद करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल, हमने उन्हें चिकित्सा सहायता देने और उनको भारत जाने में मदद करने की पेशकश की है। उन्होंने अभी तक भारत लौटने के लिए हमारे समर्थन के प्रस्ताव का जवाब नहीं दिया है।

यह है मामला

गौरतलब है, हैदराबाद की एक छात्रा हाल ही में अमेरिका के शिकागो की सड़क पर अवसाद और भुखमरी की हालत में देखी गई थी। बेटी की यह हालत देखकर मां ने सरकार से उसे भारत वापस लाने के लिए मदद की गुहार लगाई थी। वहीं, शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने आश्वासन दिया था कि हर संभव मदद की जाएगी।

ताइवान पर हमला करने के लिए तैयार ड्रैगन! चीन ने डॉक्यूमेंट्री दिखाकर दी धमकी

बीजिंग : चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। हाल ही में अमेरिका ने जब ताइवान के लिए सैन्य पैकेज का एलान किया तो बीजिंग भड़क उठा और उसने चेतावनी देते हुए इतिहास से सबक लेने को कहा था। वहीं, एक बार फिर ऐसा लग रहा है कि चीन ताइवान के खिलाफ हमला करने के लिए तैयार है।

दरअसल, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की 96वीं वर्षगांठ पर चीन ने एक डॉक्यूमेंट्री 'झू मेंग' जारी की, जिसमें पीएलए के सैनिकों को शपथ लेते दिखाया गया है कि जरूरत पड़ने पर वो अपने प्राणों की बलि दे देंगे। यही नहीं यह भी दिखाया गया कि अगर ताइवान से युद्ध के हालात बने तो चीनी सेना किसी भी क्षण लड़ने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान में हजारा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त, 15 की मौत, 50 घायल

इस्लामाबाद,। पाकिस्तान में रविवार को सिंध प्रांत के नवाबशाह शहर के पास हजारा एक्सप्रेस ट्रेन की 10 बोगियां पटरी से उतरने से 15 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 50 अन्य यात्री घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवाबशाह के सरहरी रेलवे स्टेशन के पास यह हादसा हुआ। यह ट्रेन कराची से रावलपिंडी जा रही थी। बचाव दल और पुलिस अधिकारियों को घटना स्थल पर भेजा गया है। घायलों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। हताहत और घायल यात्रियों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले विदेशियों की होगी निगरानी

काठमांडू। नेपाल से सटे भारत के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों की बीती शाम नियमित बैठक हुई। इसमें नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले 'तीसरे देशों' (विदेशियों) के नागरिकों पर विशेष निगरानी रखने को लेकर चर्चा हुई है। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के सड़क के रास्ते भारत में प्रवेश करने के अलावा कुछ चीनी नागरिकों के अवैध रूप से भारत की सीमा में प्रवेश की घटना के बाद सतर्कता बढ़ाने को लेकर दोनों देशों के सीमावर्ती सुरक्षा अधिकारियों के बीच सहमति हुई है।

बिहार के मधुबनी जिले के सौराठ में आयोजित जिलास्तरीय सीमा समन्वय बैठक में सीमा क्षेत्र से अवैध प्रवेश के अलावा मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने और सीमा क्षेत्र से अन्य आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे धनुषा जिले के प्रमुख जिला अधिकारी काशीराज दाहाल ने

बताया कि सीमा पर दोनों देशों की सुरक्षा गश्त बढ़ाने, सीमा क्षेत्र में सुरक्षा चौकियों की स्थापना के लिए अपनी अपनी सरकारों को पत्र भेजने, टूटी हुए सीमा स्तम्भों को फिर से बनाने, व्यापार और परिवहन को सहज बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि नेपाल की ओर से नकली नोट, नशीली पदार्थ और अन्तर्देशीय अपराधियों पर पैनी नजर रखने और आपसी समन्वय के आधार पर इन गैरकानूनी वारदातों पर लगाम कसने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों के अधिकारी एक दूसरे को जानकारी साझा करने पर सहमत हुए हैं। मधुबनी के जिलाधिकारी अरविंद कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नेपाली सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाले किसी भी समस्या के समाधान के लिए दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारियों के बीच संवाद व समन्वय स्थापित करने पर सहमति बनी है। नेपाल भारत के इस संयुक्त सीमा सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में नेपाल के धनुषा, महोत्तरी, सिरहा और सप्तरी जिलों के मुख्य जिला अधिकारी, चारों जिलों के पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र पुलिस अधीक्षक, राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के प्रमुखों की सहभागिता थी। बिहार के मधुबनी जिले के डीएम, एसपी, कस्टम अधिकारी सहित एसएसबी के कमांडेंट की मौजूदगी रही। उल्लेखनीय है कि नेपाल और भारत के बीच अलग अलग सीमा क्षेत्रों के प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों की प्रत्येक तीन महीने में नियमित रूप से बैठक होती रहती है।

चीन के शानदोंग प्रांत में भूकंप से दर्जनों इमारतें गिरीं, 20 लोग घायल

बीजिंग। चीन के शानदोंग प्रांत में आधीरात बाद भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए । इस प्रांत के देझाउ शहर के पिंगयुआन काउंटी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। रिक्टर स्केल पर भूकंप

की तीव्रता 5.5 मापी गई। चाइना अर्थक्विक नेटवर्क्स सेंटर ने बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह ढाई बजे महसूस किए गए।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भूकंप के झटकों से दर्जनों इमारतें भरभरा कर गिर गईं। इस दौरान कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं। भूकंप का केंद्र देझाउ शहर के दक्षिण में 26 किलोमीटर दूर 10 किलोमीटर की गहराई में था। इससे पहले अफगानिस्तान में भी 5.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र हिंदू कुश क्षेत्र था। इस साल दुनिया तुर्किए में भूकंप से हुई भारी तबाही देख चुकी है। तुर्किए में 6 फरवरी को आए भीषण भूकंप ने बड़ी तबाही मचाई। इस वजह से तुर्किए और सीरिया में 44 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। वहीं, 80 हजार लोग जख्मी हुए। दोनों देशों को अरबों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। यह नुकसान तुर्किए की जीडीपी के चार प्रतिशत के बराबर है।

पाकिस्तान में इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन, 19 समर्थक गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद से देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। कराची में प्रदर्शन कर रहे 19 पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान की जिला एवं सत्र अदालत ने तोशाखाना मामले में इमरान खान को तीन साल जेल की सजा सुनाई है। उन्हें पांच साल की अवधि के लिए राजनीति से भी अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कराची पुलिस ने कहा कि पार्टी के पांच समर्थकों को कराची प्रेस क्लब के बाहर से गिरफ्तार किया गया। 11 समर्थकों को जिला मालिर से, पांच को शराफी गोथ से, छह को कायदाबाद से और

तीन को उत्तरी नाजिमाबाद ब्लॉक-के से गिरफ्तार किया गया। पीटीआई ने कहा है कि पूरे देश ने सत्र अदालत के फैसले को खारिज कर दिया है। वकीलों सहित पीटीआई समर्थकों ने लाहौर में उनके जमान पार्क आवास के बाहर इमरान खान की गिरफ्तारी का विरोध किया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी गिरफ्तारी और तीन साल की जेल की सजा और पांच साल के लिए राजनीति से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद इमरान खान का एक वीडियो संदेश सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी अपेक्षित थी। अपनी गिरफ्तारी से पहले रिकॉर्ड किए गए वीडियो में इमरान खान ने कहा कि जब उनका वीडियो संदेश सभी (पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों) तक पहुंच जाएगा, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर जेलेंस्की की शांति योजना पर चर्चा, भारत को भी मिला न्योता

जेद्दा। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद चल रहे युद्ध पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक शांति योजना प्रस्तुत की है। इस योजना पर सऊदी अरब की मेजबानी में चर्चा का हिस्सा बनने के लिए भारत को भी न्योता मिला है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल इस चर्चा में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए जेद्दा पहुंच गए हैं।

रूस के साथ चल रहे संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की शांति योजना पर चर्चा के लिए तटीय शहर जेद्दा में बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इस बैठक में भाग लेने के लिए भारत को भी न्योता मिला है। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल इस बैठक में भाग लेने के लिए जेद्दा पहुंच

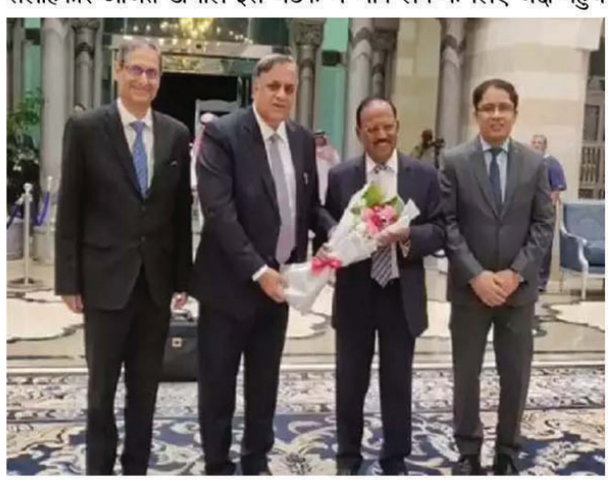

गए हैं। सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल खान और महावाणिज्य दूत मोहम्मद शाहिद आलम ने जेद्दा हवाईअड्डे पर डोभाल का स्वागत किया। जेद्दा बैठक के लिए आमंत्रित 30 देशों में चिली, मिस्र, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, मैक्सिको, पोलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका और जाम्बिया शामिल हैं।

इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बैठक में भारत की भागीदारी की पुष्टि की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि रूस इस बैठक पर नजर रखेगा लेकिन उसे पूरी तरह से समझने की जरूरत होगी कि क्या लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं।

बांग्लादेश में बंदरबन जिले के कई हिस्से भारी बारिश से जलमग्न

ढाका। बांग्लादेश के बंदरबन जिले के कई हिस्से लगातार दो दिनों तक हुई बारिश से आज सुबह जलमग्न हो गए। हाफेज घोना, बस स्टेशन, आर्मी पारा और इस्लामपुर क्षेत्रों के निचले इलाके पांच-सात फीट पानी में डूब गए।

बंदरबन मृदा संरक्षण और वाटरशेड प्रबंधन केंद्र के अधिकारी महबुबुर रहमान ने बताया कि बंदरबन में पिछले 24 घंटों में 165 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। उपायुक्त शाह मोजाहिद उद्दीन ने कहा है कि 192 अस्थायी आश्रय स्थल खोले गए हैं और 41 मेडिकल

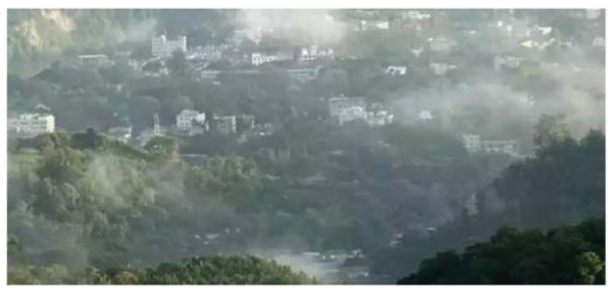

टीमें स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि लामा उप जिला में आठ परिवारों के 36 सदस्यों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। आश्रय स्थलों में लोगों के बीच सूखा भोजन वितरित किया गया है। जिले की संगु और मातामुहुरी नदी खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। प्रशासन के साथ सेना, पुलिस और अग्निशमन सेवा ने स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं।इस बीच, बंदरबन के सभी उप जिलों में संवेदनशील स्थानों पर रहने वाले लोगों को आश्रय स्थलों में जाने के लिए कहा जा रहा है। इन स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 20 टन चावल और एक लाख टका आवंटित किया है।

श्रावस्ती कार दुर्घटना में नेपाल के एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत

काठमांडू। भारत में उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में शनिवार रात हुई कार दुर्घटना में नेपालगंज शहर के एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। जिला पुलिस कार्यालय बांके के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह राठौड़ ने बताया कि यह हादसा श्रावस्ती जिले के इकौना के पास हुआ। यह लोग बलरामपुर से कार (यूपी 47 डब्लू 1217) में सवार होकर नेपालगंज आ रहे थे। रास्ते में यह कार एक गाय से

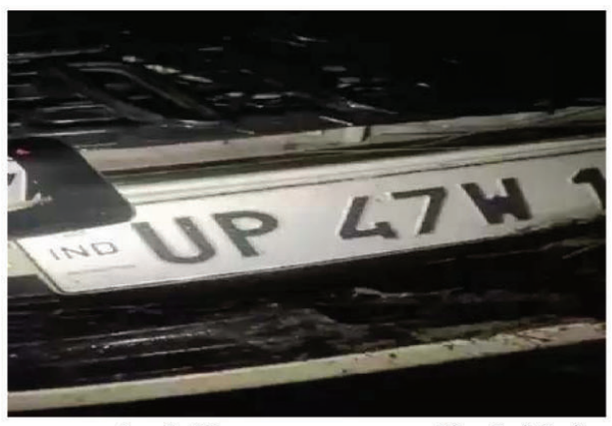

(35), उनकी पत्नी दीपिका गुप्ता (32), तीन साल का बेटा डब्लू गुप्ता, छह महीने की बेटी श्रेया गुप्ता, ममेरा भाई नीलांस गुप्ता (22) और उनकी बहन सुनीति गुप्ता (20) शामिल हैं। हादसे में गंभीर रूप से घायल कार चालक अजय मिश्रा का श्रावस्ती के अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुत्र निलान्स की मौत के गम में डूबे संतोष गुप्ता ने बताया कि नीलांस और सुनीति अपने मामा के घर से और वैभव मायके में रह रही अपनी पत्नी दीपिका को लेकर बलरामपुर से लौट रहे थे।

हादसे की खबर के बाद नेपालगंज का यह परिवार शोक में डूबा है। सुनीति की मौत की खबर से कॉलेज में उसके सहपाठी सहित अन्य छात्र-छात्राएं भी दुखी हैं। सुनीति नेपालगंज के ब्राइटलैंड कॉलेज में बीबीएस तृतीय सेमेस्टर की पढ़ाई कर रही थीं। भारत के बहराइच में शवों का पोस्टमार्टम हो रहा है। वहां से शव नेपाल लाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कार दुर्घटना पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने पीड़ित परिजनों को शव नेपाल ले जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।उत्तर प्रदेश सरकार ने संबंधित अधिकारियों को इस बारे में निर्देश दिए हैं।

नेपाल : सोना तस्करी मामले में 10 चीनी नागरिकों को ब्लैकलिस्ट किया गया

काठमांडू। एक क्विंटल सोना की तस्करी मामले में संलग्न होने के आरोप में नेपाल के राजश्व अनुसंधान विभाग (डीआरआई) के अनुरोध पर अध्यागमन विभाग (इमीग्रेशन) ने चीन के 10 नागरिकों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है।

सोना तस्करी के मामले की शुरुआती जांच कर रहे राजश्व अनुसंधान विभाग के महानिदेशक नवराज ढुंगाना ने बताया कि सोने की तस्करी के मामले में चीनी नागरिकों की सांठगांठ और संलग्नता संगठित रूप से ही दिखा है। ढुंगाना के मुताबिक अब तक की जांच में 10 चीनी नागरिकों

का नाम पता चला है, जिनको इमीग्रेशन के जरिए ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया है यानि ऐसा संदिग्ध व्यक्ति यदि विमानस्थल या सड़क मार्ग से भागने का प्रयास करे तो तत्काल इनको गिरफ्तार कर विभाग के हवाले कर दिया जाएगा।

डीआरआई ने जिन चीनी नागरिकों को ब्लैक लिस्ट किया है उनमें झोन जेन्वा, याओ पुचेन, विन स्याडत्जा, वोन यान, लिन वेन्व सन, तुचेन याओ, जुन्तान चेन, जैलिन लि, फुयान लियु और जिक्कान लिन है।

इनमें से अब तक एक जिक्कान लिन को गिरफ्तार किया जा चुका है। विभाग का कहना है कि ये सभी नागरिक अभी भी नेपाल में ही है और हो सकता है कि ये फरार होने की कोशिश करें इसलिए इन सबके नाम को ब्लैकलिस्ट किया गया है।

इसके अलावा पुलिस ने कुल चार चीनी नागरिकों के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है।

इस मामले में अब तक जो प्रमुख गिरफ्तारी हुई है उनका भी संबंध चीन से ही है। दावा छिरिंग के पास कहने के लिए तो बेल्जियन का पासपोर्ट है लेकिन वो मूल रूप से चीन का ही नागरिक है। इसके अलावा एक भारतीय पासपोर्ट धारी भी गिरफ्तार हुआ है जो चीनी मूल का ही है।

आरआईएल ने मुकेश अंबानी को सीएमडी बनाने के लिए शेयरधारकों से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) मुकेश अंबानी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का कार्यकाल पांच साल के लिए आगे बढ़ाना चाहती है।अभी मुकेश अंबानी 66 वर्ष के हैं और नए कार्यकाल में वे 70 साल की उम्र पार कर जाएंगे। ऐसे में आगे नियुक्ति के लिए उन्हें शेयरधारकों के विशेष प्रस्ताव की जरूरत है।

कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि विशेष प्रस्ताव में रिलायंस ने मुकेश अंबानी को अप्रैल, 2029 तक कंपनी का चेयरमैन नियुक्त करने के लिए

शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। मुकेश अंबानी रिलायंस के निदेशक मंडल में वर्ष 1977 से हैं। वे जुलाई, 2002 में अपने पिता और समूह के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद कंपनी के चेयरमैन बन गए थे। शेयरधारकों को भेजे प्रस्ताव के मुताबिक रिलायंस के निदेशक मंडल ने 21 जुलाई, 2023 को मुकेश अंबानी को प्रबंध निदेशक के तौर पर आगे पांच साल के लिए नियुक्ति करने को मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अंबानी के अनुरोध पर बोर्ड ने सिफारिश की है कि 19 अप्रैल, 2024 से लेकर 18 अप्रैल, 2029 तक प्रस्तावित अवधि के लिए उन्हें कोई वेतन या लाभ-आधारित कमीशन का भुगतान नहीं किया जाएगा। मुकेश अंबानी को वित्त वर्ष 2020-21 से लगातार तीन वर्षों तक कोई वेतन और लाभ-आधारित कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।